नई सोच • नई शुरूआत • नया भारत

अनप्लग इंडिया

सच की आवाज, भारत की पहचान

नोएडा एनसीआर संस्करण

वर्ष : 01 | अंक : 53 | नोएडा, सोमवार, 23 नवम्बर, 2026 | Website: www.unplugindia.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 03 रुपए

आज का विचार



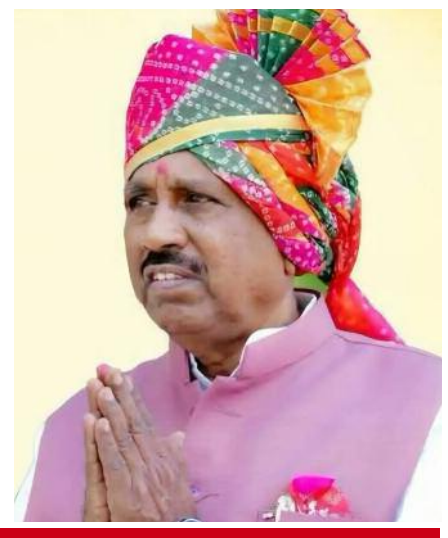

गुजरात में दो सड़क हादसों में 10 मौतें

7 मृतक सेना के जवानों के परिवारों से थे, स्विफ्ट में आग से 3 जिंदा जले, इन्फ्लुएंसर बची

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में शनिवार रात और रविवार सुबह दो सड़क हादसों में 10 लोगों की मौत हो गई। पहला हादसा कच्छ में हुआ, जहां ट्रक और कार की टक्कर में 7 लोगों की जान चली गई। हादसा इतना भयानक था कि कार दो हिस्सों में बंट गई।

दूसरा हादसा केशोद-बालागाम रोड पर हुआ। जूनागढ़ से माधवपुर जा रही तेज रफ्तार स्विफ्ट कार मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई और उसमें आग लग गई। कार में सवार चार में से तीन लोगों की



जलकर मौत हो गई। इन्फ्लुएंसर कृष्णा चूड़ासमा शीशा टूटने के बाद बाहर गिरीं, जिससे जान बच गई। कच्छ में कार दो हिस्सों में बंटकर अलग गई। वहीं, जूनागढ़ में कार पूरी तरह जल गई।

कच्छ: मरने वाले लोग सेना के जवानों के परिजन थे

कच्छ में हादसा रात करीब 10 बजे हुआ। ट्रक और कार की आमने-सामने टक्कर हुई। कार में सवार सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। इनमें एक बच्चा सिर्फ तीन महीने का था।

कार के मलबे में फंसे शव, निकालने में लगे कई घंटे

टक्कर के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इसमें फंसे शवों को बाहर निकालने में बचाव दल को कई घंटे लगे। मृतकों की पहचान सौरभ सिंह नेगी (30), उनकी पत्नी सविता (30) और उनकी तीन महीने की बेटी शिविका के रूप में हुई है। इनके अलावा राजेश सिंह रावत (35), उनकी सात साल की बेटी रक्षित, रिंकी गोसाईं (30) और उनकी चार साल की बेटी वामिका की भी मौत हुई है।

ब्रिटिश तैराक ने तैरकर 3 दिन में होर्मुज पार किया

तेल टैंकर पर हमले देखे, समुद्री पर्यावरण को बचाने के लिए दुनिया से अपील की



लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के मशहूर तैराक लुईस प्यू ने जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट में तैराकी की। उन्होंने 3 दिन में करीब 15 किलोमीटर का सफर तैरकर पूरा किया। इस दौरान उन्होंने तेल टैंकर और जहाजों पर हमला होते देखा। 56 साल के प्यू संयुक्त राष्ट्र (यूएस) में समुद्रों की सुरक्षा से जुड़े विशेष प्रतिनिधि हैं। उन्होंने यह तैराकी जंग के कारण समुद्री जीवों और पर्यावरण को हो रहे नुकसान की ओर दुनिया का ध्यान खींचने के लिए की। उनका कहना है कि जंग खत्म होने के बाद भी तेल और केमिकल से होने वाला प्रदूषण समुद्र को कई दशकों तक नुकसान पहुंचा सकता है।जहां प्यू तैराकी कर रहे थे उसके कुछ ही दूरी पर एक जहाज पर हमला हुआ था।

कानपुर में चौथी शादी की तैयारी थी; पकड़े जाने पर रोने लगी

तीन पतियों को छोड़कर लिव-इन में रह रही थी दुल्हन

कानपुर (एजेंसी)। तीन शादियां करने वाली कानपुर की दुल्हन चौथे युवक के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। वह चौथी शादी की तैयारी में थी, तभी उसके कारनामों का भंडाफोड़ हो गया। मामला बर्रा थाना क्षेत्र का है। तीसरे पति ने आरोपी दुल्हन पर 16 लाख रुपए के जेवर और कैश लेकर फरार होने का आरोप लगाया था।



प्रगति की मां ने मामला दबाने के लिए 20 लाख रुपए मांगे

विशाल का आरोप है कि 13 अगस्त 2026 को वह अपने छोटे भाई के साथ प्रगति के पिता अशोक कुमार विश्वकर्मा के घर पहुंचा। उसने प्रगति की पिछली शादियां छिपाने को लेकर जवाब मांगा।

युवती का साथ उसका परिवार भी देता था

पुलिस ने प्रगति के साथ उसे गोद लेने वाले पिता अशोक विश्वकर्मा, मां सीमा, अर्रा केडीए कॉलोनी में रहने वाली उसकी सगी मां सोमवती, मौसी कोमल और मौसा शरद सैनी को गिरफ्तार कर लिया। अशोक और सीमा रिश्ते में प्रगति के मौसा-मौसी भी हैं। वहीं, उसकी एक अन्य मौसी ललिता और मामी गोमती विश्वकर्मा अभी फरार हैं।

डीसीपी साउथ बोले- यह पूरा गैंग है

डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया- यह पूरा एक गैंग है, जो सीधे-साधे लोगों को अपने जाल में फंसाता था। गिरोह की महिला सदस्य से उनकी शादी कराई जाती थी।

संक्षिप्त समाचार

नेतन्याहू के साथ मिलकर सरकार बनाने को तैयार आइजनकोट

पीएम बनाने की शर्त रखी, 7 दिन पहले कहा था- नेतन्याहू की चाल में नहीं फंसूंगा

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल में नई सरकार बनाने के लिए याशार पार्टी के प्रमुख गादी आइजनकोट ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पार्टी लिकुड को बुलाया

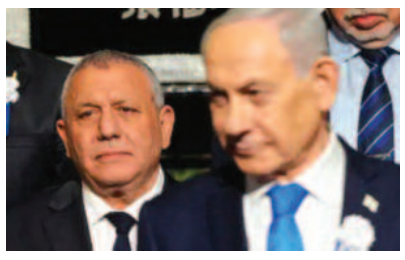

है। दोनों पार्टियों के बीच रविवार को गठबंधन सरकार बनाने को लेकर बातचीत होगी। आइजनकोट ने साफ किया है कि नई सरकार बनने पर प्रधानमंत्री वह खुद बनेंगे।इसके एक हफ्ते पहले नेतन्याहू ने आइजनकोट से अपील की थी कि मिलकर सरकार बनाते हैं। लेकिन आइजनकोट ने कहा था कि नेतन्याहू चुनाव हार चुके हैं। उनकी चाल में नहीं फंसूंगा।

बांग्लादेश में हिंसा के बीच 100 आईईडी बम मिले

म्यांमार से तस्करी कर लाए थे; सुरक्षा एजेंसी का दावा- बड़े हमले की तैयारी थी



ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले में सीमा सुरक्षा बल ने छापेमारी कर 100 से ज्यादा आईईडी बम, 2 बंदूकें और 254 कारतूस बरामद किए हैं। इस मामले में 2 ऑटो रिक्शा चालकों को हिरासत में लिया गया है। बीजीबी के मुताबिक, हथियार और विस्फोटक म्यांमार से तस्करी कर लाए गए थे। आशंका है कि इनका इस्तेमाल बांग्लादेश में किसी बड़ी हिंसक घटना को अंजाम देने के लिए किया जाना था। हालांकि, जांच एजेंसी को अभी यह पता नहीं चला है कि संभावित हमले का निशाना कौन था।

फतेहपुर में ट्रक से टकराई डबल डेकर बस, दो की मौत

फतेहपुर (एजेंसी)। फतेहपुर के खागा कोतवाली क्षेत्र में रविवार तड़के कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। सुजानीपुर मोड़ के पास दिल्ली से वाराणसी जा रही फुली एसीडबल डेकर बस आगे चल रहे आलू लदे ट्रक में पीछे से जा घुसी।हादसे में बस चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से 15 यात्री घायल हो गए। घटना रविवार सुबह करीब 2:50 बजे की है।

23.42 लाख श्रद्धालुओं ने बद्री विशाल और 19.33 लाख [redacted]

बद्रीनाथ-केदारनाथ में चढ़ावे से [redacted]

चमोली (एजेंसी)। इस साल चारधाम यात्रा में बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या के साथ चढ़ावे की रकम में भी बढ़ोतरी हुई है। दोनों धामों में श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ावे के रूप में कुल 107 करोड़ रुपए बीकेटीसी को मिले।

मंदिर समिति के मुताबिक, यह आय पिछले वर्षों के रिकॉर्ड से अधिक है। बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगड़ के मुताबिक, इस साल बद्रीनाथ धाम में 23.42 लाख श्रद्धालुओं ने भगवान बद्री विशाल के दर्शन किए।

वहीं, केदारनाथ धाम में 19.33 लाख श्रद्धालु बाबा केदार के दरबार पहुंचे। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या से धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिला।

सर्दियों में जोशीमठ और ऊखीमठ में हो रहे दर्शन

बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी ने बताया कि बद्रीनाथ और केदारनाथ धामों में शीतकालीन पूजा शुरू हो चुकी है।भगवान बद्रीविशाल की पूजा जोशीमठ स्थित नृसिंह मंदिर में की जा रही है, जबकि भगवान केदारनाथ की पूजा ऊखीमठ में हो रही है।



गर्मियों में नहीं कर पाए दर्शन तो सर्दियों में पहुंचें

रांगड़ ने श्रद्धालुओं से अपील की कि जो लोग गर्मियों की यात्रा के दौरान बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम के दर्शन नहीं कर पाए, वे सर्दियों में जोशीमठ और ऊखीमठ पहुंचकर पूजा-अर्चना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे शीतकालीन यात्रा को भी बढ़ावा मिलेगा।

स्थानीय कारोबार को भी मिला सहारा

रांगड़ ने कहा कि चारधाम यात्रा से उत्तराखंड के स्थानीय लोगों की आजीविका और स्वरोजगार को मदद मिली है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यात्रा को और बेहतर बनाने के लिए जरूरी इंतजाम किए जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने यात्रा के सफल संचालन में राज्य सरकार, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के सहयोग की भी सराहना की।

'दमादम मस्त कलंदर' पर झूम उठी एससीओ की महफिल

पीएम मोदी भी हुए सूफी संगीत के मुरीद

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के पुराने किले में सजी महफिल में जब 'दमादम मस्त कलंदर ' की गूंज उठी तो माहौल सूफियाना रंग में रंग गया। सुरों की ऐसी तान छिड़ी कि वहां मौजूद मेहमान भी संगीत



की मस्ती में डूबते नजर आए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस खास महफिल का आनंद लिया। मौका था शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सभ्यता संवाद मंच का, जहां अलग-अलग देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सूफी संगीत ने सरहदों से परे एक साझा सांस्कृतिक तस्वीर पेश की।

कुतबी ब्रदर्स की कव्वाली ने बांधा समां- नई दिल्ली के ऐतिहासिक पुराने किले में आयोजित एससीओ सभ्यता संवाद मंच के दौरान कुतबी ब्रदर्स ने लाइव कव्वाली की प्रस्तुति दी। उनकी आवाज में जब 'दमादम मस्त कलंदर' और 'हो लाल मेरी पत रखियो, बला झूले लालन' जैसे मशहूर कलाम गूंजे तो पूरा माहौल सूफियाना हो गया।

सभी एक ही परिवार के; खाटूश्यामजी से लौट रहे थे

राजस्थान में खड़े ट्रक में घुसी क्रूजर, 9 की मौत

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे-52 पर शनिवार देर रात एक बजे तेज रफ्तार क्रूजर सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे से टकरा गई। हादसे में क्रूजर सवार एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें दो बच्चे थे।

ट्रक ड्राइवर सहित 7 लोग घायल हुए हैं। हादसा कोटा के नाता थाना क्षेत्र में शंभूपुरा गांव के पास हुआ। शव और घायल गाड़ी में फंस गए, जिन्हें पुलिस ने लोगों की मदद से निकालकर न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल भिजवाया।



सीएम ने कहा- अत्यंत पीड़ादायक

सीएम भजनलाल शर्मा ने X पर लिखा- कोटा-उदयपुर हाईवे पर शंभूपुरा के पास सड़क हादसे में हुई जनहानि का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

आंध्र प्रदेश में बाइक सवार को बचाने में एसयूवी दूसरी लेन में घुसी, टक्कर से 2 की मौत; 3 घायल

आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में हाईवे पर हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब सर्विस लेन से निकला एक बुजुर्ग बाइक सवार हाईवे पार करने लगा। उसे बचाने के लिए तेज रफ्तार नीली एसयूवी के ड्राइवर ने गाड़ी दूसरी लेन में मोड़ दी।इस दौरान सामने से आ रही सफेद एसयूवी से उसकी टक्कर हो गई।

अयोध्या से नेपाल के जनकपुर तक अब जाएगी ट्रेन

पीएम मोदी-बालेन शाह आज करेंगे उद्घाटन



अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम की नगरी अयोध्या से माता सीता की जन्मस्थली नेपाल के जनकपुर धाम तक अब सीधी ट्रेन सेवा शुरू होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह सोमवार को जनकपुर धाम-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस (15595/15596) का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। दोनों प्रधानमंत्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस दौरान सीएम योगी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव अयोध्या में कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहेंगे।रेलवे के मुताबिक, आम यात्रियों के लिए ट्रेन का नियमित संचालन 28 नवंबर से शुरू होगा।

जयनगर स्टेशन पर होगी दस्तावेजों की जांच

भारत से नेपाल जाने वाली यह ट्रेन अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करेगी। ऐसे में सुरक्षा और निर्धारित नियमों के तहत बिहार के जयनगर स्टेशन पर यात्रियों के पहचान पत्र और जरूरी दस्तावेजों की जांच की जाएगी। इसी प्रक्रिया के चलते ट्रेन को जयनगर स्टेशन पर लंबा ठहराव दिया गया है। जनकपुर से अयोध्या आने के दौरान यहां एक घंटे और अयोध्या से जनकपुर जाने के दौरान दो घंटे का ठहराव होगा।

राजस्थान के माउंट आबू में ओस जमी, पारा 0 डिग्री पहुंचा

मप्र-छत्तीसगढ़ और बिहार में बारिश; यूपी के 24 जिलों में घना कोहरा



नई दिल्ली/जयपुर/पटना/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली, राजस्थान,बिहार, मप्र, उप्र,समेत देश के कई राज्यों में ठंड बढ़ गई है। राजस्थान के 6 शहरों में शनिवार रात न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। माउंट आबू में पारा 0 डिग्री तक पहुंच गया। ठंड के कारण गाड़ियों पर ओस जम गई।

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार में चक्रवात 'अकवान' के चलते बारिश होने और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मौसम बदल गया है। एमपी के जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है।

बिहार में रविवार सुबह नालंदा और भागलपुर में बारिश हुई। पिछले 24 घंटे में पटना समेत 9 जिलों में बारिश दर्ज की गई। उत्तर प्रदेश के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा।

सर्दी के साथ प्रदूषण भी बढ़ा - सर्दी बढ़ने के साथ प्रदूषण का स्तर भी बढ़ रहा है। राजस्थान के बीकानेर में एक्यूआई 311, भिवाड़ी में 301 में दर्ज हुआ। दिल्ली की हवा की गुणवत्ता शनिवार को भी 'खराब' कैटेगरी में बनी रही। एक्यूआई 265 दर्ज किया गया।दरअसल, सर्दी में हवा ठंडी और भारी होने लगती है, उसकी रफ्तार भी कम हो जाती है।



मप्र : 12 जिलों में बारिश का अलर्ट; पहाड़ों पर बर्फबारी से बढ़ी ठंड

चक्रवाती तूफान 'अकवान' और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मध्य प्रदेश में मौसम बदल गया है। जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है, जबकि भोपाल, इंदौर और उज्जैन में ठंड बढ़ गई है। रविवार को 12 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, शाजापुर में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया।

यूपी: 24 जिलों में घना कोहरा, 4 जिलों में बारिश का अलर्ट; हरदोई में रात का पारा 11 डिग्री पहुंचा

उत्तर प्रदेश के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। संभल, मुजफ्फरनगर, देवरिया और बुलंदशहर समेत कई जिलों में विजिबिलिटी कम रही। ग्रामीण इलाकों में 10 मीटर दूर तक देखना मुश्किल हो गया। हरदोई में रात का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

9 महीने से कम समय में 1 करोड़ से अधिक एचपीवी टीकाकरण की उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने की तारीफ

● इस अभियान के तहत लगभग 1.2 करोड़ बच्चियों के एचपीवी टीकाकरण का वार्षिक लक्ष्य था



अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। देश ने सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के अपने प्रयासों में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 'राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान' के तहत, इसके शुरू होने के नौ महीने से भी कम समय में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) वैक्सीन की 1 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने इस उपलब्धि के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, राज्य सरकारों और सभी स्वास्थ्यकर्मियों की तारीफ की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, '9 महीने से भी कम समय में एचपीवी वैक्सीन की 1 करोड़ से ज्यादा डोज देने की भारत की कामयाबी सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी कामयाबी है। मैं इस देशव्यापी कैंपेन को सफलतापूर्वक लागू करने में शामिल स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, राज्य सरकारों और सभी हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स की तारीफ करता हूं।' उपराष्ट्रपति ने आगे लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, यह शानदार तरक्की सरकार के प्रिवेंटिव हेल्थकेयर को मजबूत करने, टीनएज लड़कियों की सुरक्षा करने और महिलाओं की पीढ़ियों के लिए एक हेल्दी भविष्य बनाने की लगातार प्रतिबद्धता को दिखाती है। एक हेल्दी भारत की ओर एक बड़ा कदम!'

बता दें कि फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर 14 वर्ष की किशोरियों को माता-पिता की सहमति से मुफ्त, सुरक्षित और स्वैच्छिक सिंगल-डोज एचपीवी टीकाकरण किया जाता है। इस अभियान के तहत लगभग 1.2 करोड़ बच्चियों के एचपीवी टीकाकरण का वार्षिक लक्ष्य था। अब तक लगभग 87 प्रतिशत वैक्सीनेशन किया जा चुका है। नौ महीने के अंदर 1 करोड़ से भी ज्यादा खुराक दी जा चुकी है।बीते केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा (जेपी नड्डा) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके लिखा था, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉन्च किए जाने के नौ महीने से भी कम समय में राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान ने बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने की दिशा में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। गुजरात, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मिजोरम, मध्य प्रदेश और बिहार को 100 प्रतिशत कवरेज हासिल करने के लिए बधाई, जबकि 12 राज्यों ने 80 प्रतिशत का आंकड़ा पार कर लिया है।'

राष्ट्रपति व अन्य ने सांसद रामराव सखाराम वाडकुटे के निधन पर दुख जताया

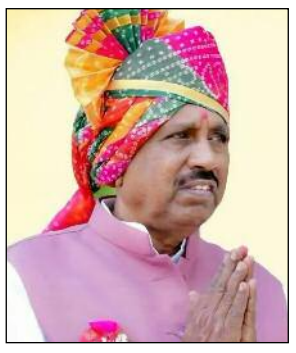

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और केंद्रीय संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू समेत कई नेताओं ने रविवार को राज्यसभा सदस्य रामराव सखाराम वाडकुटे के निधन से दुख जताया।

राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर लिखा, सखाराम वाडकुटे जन-कल्याण के कार्यों के प्रति समर्पित थे और उन्होंने महाराष्ट्र तथा देश के विकास में बहुमूल्य योगदान दिया। उनके परिजनों, प्रशंसकों और शुभचिंतकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। राष्ट्रपति ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में सखाराम वाडकुटे के योगदान और लोगों की सेवा को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके परिवार, मित्रों और समर्थकों के प्रति गहरी संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें दुख की इस घड़ी में संबल प्रदान करें।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सांसद डॉ. रामराव सखाराम वाडकुटे जी का निधन अत्यंत दुखद है। दुख की इस घड़ी में, उनकी गहरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिवार को इस अपार क्षति को सहने की शक्ति दें। भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

रिजिजू ने कहा कि राज्यसभा सदस्य रामराव वडकुटे के परिवार और मित्रों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और इस कठिन घड़ी में उनके परिजनों को संबल दें। ? शांति!

भाजपा के राज्यसभा सदस्य रामराव वाडकुटे की हृदयगति रुकने से उनका निधन हो गया। वह 72 वर्ष के थे। रामराव वाडकुटे ने महज आठ महीने पहले ही भाजपा सांसद के तौर पर राज्यसभा में कदम रखा था। इससे पहले उन्होंने लंबे समय तक धनगर समुदाय की सेवा की, जिले में कई अहम जिम्मेदारियां संभालीं और भेड़-बकरी विकास निगम के प्रमुख के रूप में भी काम किया। सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।

तमिलनाडु और केरल में भारी बारिश का अलर्ट, दिल्ली-एनसीआर की हवा 'खराब' श्रेणी में

पश्चिमी विक्षोभ और कई ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय हैं, जिनसे मौसम में यह बदलाव देखा जा रहा है।



अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। पूर्वी हवाओं के प्रभाव के कारण दक्षिण भारत के कई राज्यों में अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश के आसार हैं। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा, लेकिन वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बनी हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में रविवार को आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा और अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जो सामान्य के करीब है। दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी, जो शाम और रात में घटकर 12 किमी प्रति घंटे रह जाएंगी। आगामी 23 से 25 नवंबर तक दिल्ली में आसमान साफ रहेगा, लेकिन सुबह के समय धुंध और हल्का कोहरा छाया रहेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 से 13 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दूसरी ओर, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई है। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 265, गुरुग्राम का 255, नोएडा का 239 और गाजियाबाद का एक्यूआई 206 रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, तमिलनाडु में 23-27 नवंबर और केरल में 24-26 नवंबर के बीच अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। इस दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा 25 से 26 नवंबर के बीच लक्षद्वीप में अधिकांश स्थानों पर बारिश होने का अनुमान है। इसके अलावा 23 से 28 नवंबर के बीच तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, केरल, माहे, रायलसीमा, तटीय एवं दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना (24-26 नवंबर) में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।इस दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल (23-28 नवंबर), तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा (23-26 नवंबर) में 40 से 50 किमी प्रति घंटे (झोंके 60 किमी प्रति घंटे तक) की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका है। केरल और माहे में भी 24 से 26 नवंबर के बीच 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में सोमवार को व्यापक बारिश के साथ 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इसी दिन पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और झारखंड में छिटपुट बारिश की संभावना है। पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 23 से 24 नवंबर तक बारिश हो सकती है। इसके अलावा, उत्तरी छत्तीसगढ़ पर बना निम्न दबाव का क्षेत्र अब उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर स्थित है।

पुल मिठाई-पीली कोठी क्षेत्र में एमसीडी का अभियान, सड़क और फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई शुरू

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के पुरानी दिल्ली जोन ने पुल मिठाई-पीली कोठी क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए वार्ड संख्या 72, 73 और 74 में अभियान चलाया। यह कार्रवाई दिल्ली पुलिस के उत्तरी जिले के डीसीपी कार्यालय की टीम के समन्वय से की गई, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में अस्थायी एवं स्थायी अतिक्रमण हटाकर सार्वजनिक मार्गों को बाधामुक्त करना तथा यातायात और पैदल यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाना है। इस अभियान को एमसीडी ने आज सुबह 8 बजे शुरू किया। इसमें 4 ट्रक, 3 जेसीबी मशीनें, लाइसेंसिंग विभाग एवं स्वच्छता विभाग की टीमें तथा दिल्ली पुलिस का अतिरिक्त बल तैनात किया गया। अभियान के दौरान संबंधित क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। एमसीडी ने स्पष्ट किया है कि पुल मिठाई रेलवे पुल के आसपास का क्षेत्र निर्धारित रूप से नॉन-स्क्वाटिंग जोन है। इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की वेंडिंग गतिविधि की अनुमति नहीं है।

साइबर ठगी के लिए बैंक खाते बेचने वाला आरोपी गिरफ्तार, 15 डेबिट कार्ड समेत बैंकिंग किट बरामद

नई दिल्ली। साइबर ठगी, अवैध ऑनलाइन गेमिंग और गैरकानूनी वित्तीय लेनदेन के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क का शाहदरा जिला पुलिस ने पर्दाफाश किया है। साइबर थाना पुलिस ने नेटवर्क के एक अहम सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर निवासी भाग सिंह (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से छह मोबाइल फोन, 15 डेबिट कार्ड, नौ चेकबुक, चार पासबुक और नौ सिम कार्ड बरामद किए हैं। शुरुआती जांच में आरोपी से जुड़े दो बैंक खाते देश के अलग-अलग हिस्सों में दर्ज कई साइबर ठगी की शिकायतों से जुड़े पाए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, मामले का खुलासा इंस्टाग्राम पर ऑनलाइन निवेश का झांसा देकर की गई 2.22 लाख रुपये की ठगी की जांच के दौरान हुआ। पीड़ित को इंस्टाग्राम पर आकर्षक रिटर्न का लालच देने वाला संदेश भेजा गया था। इसके बाद उसे एक ऑनलाइन निवेश ग्रुप में जोड़कर मोटे मुनाफे का भरोसा दिलाया गया। जालसाजों के झांसे में आकर पीड़ित ने अलग-अलग किस्तों में कुल 2,22,488 रुपये ट्रांसफर कर दिए।

पंजाब में पराली प्रबंधन मशीनों में बड़े घोटाले का आरोप, एचएस फुल्का ने सीबीआई जांच की मांग

नई दिल्ली। भाजपा नेता एचएस फुल्का ने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार द्वारा पराली जलाने पर रोक लगाने के नाम पर सरकारी योजनाओं के तहत बेची जा रही मशीनें एक बड़ा घोटाला हैं। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सीबीआई जांच कराने की मांग की है। यह मानते हुए कि पंजाब में पराली जलाना एक बड़ी चिंता का विषय है, जिससे दिल्ली में भी प्रदूषण होता है, फुल्का ने कहा, 'सरकारी योजनाओं के तहत बेची जा रही मशीनरी, जो पराली जलाने से रोकने का दावा करती है, मेरे हिसाब से एक बहुत बड़ा घोटाला है।' फुल्का ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि पंजाब में आप सरकार किसानों को गलत मशीनरी दे रही है। उन्होंने कहा, 'जो मशीनरी असल में असरदार और कम खर्चीली है, उसे प्रमोट नहीं किया जा रहा है। मैंने यह मुद्दा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामने उठाया और सीबीआई जांच की मांग की।

दिल्ली पहुंचे डच विदेश मंत्री, एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय सहयोग पर होगी चर्चा

टॉम बेरेंडसन और एस जयशंकर विदेश मंत्रियों की पहली बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे।



अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। नीदरलैंड के विदेश मंत्री टॉम बेरेंडसन रविवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। वे भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ होने वाली पहली बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी दी। एमईए प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कुछ तस्वीरें पोस्ट करते हुए बताया कि टॉम बेरेंडसन और एस जयशंकर विदेश मंत्रियों की पहली बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। इससे भारत-नीदरलैंड रणनीतिक साझेदारी के अंतर्गत सहयोग और गहरा होगा। बेरेंडसन 22 और 23 नवंबर को भारत की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस बैठक में दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक, व्यापारिक और तकनीकी सहयोग को आगे बढ़ाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होने की उम्मीद है। भारत और नीदरलैंड के बीच इस वर्ष मई में रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने पर सहमति बनी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन ने 16 मई को हेग में अपनी बैठक के दौरान 2026-2030 के लिए रणनीतिक साझेदारी का पांच वर्षीय रोडमैप अपनाया था। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच सहयोग को ठोस पहलों और समयबद्ध कार्ययोजनाओं के जरिए आगे बढ़ाना है।इस रोडमैप में विदेश मंत्रियों के स्तर पर वार्षिक बैठक की व्यवस्था भी शामिल है, ताकि रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की जा सके और भविष्य के सहयोग को दिशा दी जा सके।दोनों देशों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में व्यापार एवं निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, जल प्रबंधन, स्वास्थ्य, दवा उद्योग, चिकित्सा प्रौद्योगिकी और सेमीकंडक्टर शामिल हैं। इसके अलावा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, क्वांटम प्रौद्योगिकी और अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में भी साझेदारी बढ़ाने पर जोर है।

15 दिन की अनुमति पर भारत आए, डेढ़ महीने से ज्यादा रुके; तीन बांग्लादेशी पकड़े

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की फॉरेनर सेल और स्पेशल स्टाफ ने वीजा नियमों का उल्लंघन कर तय समय से अधिक रुकने के आरोप में तीन बांग्लादेशी नागरिकों को पहाड़गंज के एक होटल से पकड़ा है। तीनों 6 अक्टूबर को डबल एंट्री वीजा पर भारत आए थे। उनके वीजा की वैधता 14 दिसंबर तक थी, लेकिन भारत में ठहरने की अनुमति केवल 15 दिन की थी। इसके बावजूद तीनों तय अवधि से अधिक समय तक यहां रुके हुए थे। पुलिस ने तीनों को पकड़कर डिपोर्टेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सेंट्रल जिले के होटलों और गेस्ट हाउसों में विदेशी नागरिकों के वीजा दस्तावेजों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत फॉरेनर सेल और स्पेशल स्टाफ की टीम पहाड़गंज स्थित होटल सुदर्शन पैलेस, शोरा कोठी पहुंची। वहां ठहरे तीन बांग्लादेशी नागरिकों के पासपोर्ट और वीजा की जांच की गई तो उनके वीजा नियमों के उल्लंघन का पता चला। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए आरोपियों की पहचान साला उद्दीन (53), शौकत अली (40) और कमरुल हसन (25) के रूप में हुई है। तीनों बांग्लादेश के नोआखाली जिले के सोनाइमुड़ी के रहने वाले हैं। जांच में सामने आया कि तीनों 6 अक्टूबर को भारत आए थे। उनके पास डबल एंट्री वीजा था, जो 14 दिसंबर 2026 तक वैध था। हालांकि, इस वीजा पर भारत में रहने की अधिकतम अवधि 15 दिन ही निर्धारित थी। इसके बाद भी वे बिना अनुमति भारत में रह रहे थे। पुलिस ने जांच के दौरान कागजात सही नहीं मिलने पर तीनों को हिरासत में लिया और लोकनायक अस्पताल में मेडिकल जांच कराई। इसके बाद उन्हें फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) के सामने पेश किया गया।

ड्रोन के जरिए पानी के छिड़काव का प्रायोगिक प्रदर्शन



अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और धूल से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए पूर्वी जिले के नोडल सचिव वीके बिधूड़ी ने अक्षरधाम क्षेत्र का दौरा कर वहां प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया। यह क्षेत्र कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज प्रदूषण हॉटस्पॉट का हिस्सा है।निरीक्षण के दौरान अक्षरधाम के धोबीघाट के पास रेलवे के निर्माण कार्य का एक लंबा हिस्सा धूल उड़ने की समस्या के लिहाज से संवेदनशील पाया गया। इस समस्या के समाधान के लिए आज यहां ड्रोन के माध्यम से पानी के छिड़काव का प्रायोगिक प्रदर्शन किया गया। इस तकनीक के तहत ड्रोन जमीन पर रखे पानी के टैंक से पानी लेकर उड़ान भरता है और टैंक के दोनों ओर लगभग सौ-सौ मीटर तक पानी का छिड़काव कर सकता है। इससे रेलवे निर्माण स्थल के आसपास के बड़े क्षेत्र में पानी का छिड़काव कर उड़ती धूल को कम करने में मदद मिल सकती है। यह पहल प्रदूषण नियंत्रण के लिए आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इसके माध्यम से धूल प्रभावित क्षेत्रों में कम समय में अधिक प्रभावी ढंग से पानी का छिड़काव करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। विभिन्न विभागों के आपसी सहयोग से ऐसे नए उपायों को अपनाकर क्षेत्र में वायु प्रदूषण कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

फिल्म महोत्सव में पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति, पहचान और सामाजिक सरोकारों पर आधारित दो फिल्में प्रदर्शित



फिल्म में पिता के दुख, स्मृतियों, अपराधबोध और मानसिक संघर्ष को दिखाया गया है। वह अपनी बेटी की मौत से जुड़ी सच्चाई और अपने मन में उठते सवालों के बीच मानसिक शांति तलाशता है।

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय पहचान और सामाजिक वास्तविकताओं को दर्शाने वाली दो फिल्में 57वें भारत अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) में प्रदर्शित की गई हैं। असम के करबी समुदाय की पारंपरिक हथकरघा बुनाई पर आधारित वृत्तचित्र 'रेड कार्पेट' और अरुणाचल प्रदेश के एक शोकाकुल पिता की मनोवैज्ञानिक यात्रा पर बनी फिल्म 'उरुम' के जरिए क्षेत्र की अलग-अलग कहानियां सामने आई हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, रविवार को गोवा में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दोनों फिल्मों की निर्देशक आइमी बरुआ और डुयू तब्यो ने अपनी फिल्मों और फिल्म निर्माण के अनुभव साझा किए। 'रेड कार्पेट' को भारतीय पैनोरमा के गैर-फीचर फिल्म वर्ग में और 'उरुम' को फीचर फिल्म वर्ग में शामिल किया गया है।निर्देशक आइमी बरुआ की असमिया वृत्तचित्र 'रेड कार्पेट' करबी आंगलोंग के करबी समुदाय की सदियों पुरानी हथकरघा बुनाई परंपरा को दिखाती है।

इसमें आधुनिकीकरण और बदलती जीवनशैली के बीच इस पारंपरिक शिल्प को बचाए रखने के प्रयासों को दर्शाया गया है। फिल्म डोंकामोकाम गांव के एक पारंपरिक बुनकर की यात्रा के जरिए दिखाती है कि किस तरह हाथ से बुना गया कपड़ा कान फिल्म महोत्सव के रेड कार्पेट तक पहुंचा और सांस्कृतिक पहचान, गौरव तथा उम्मीद का प्रतीक बना।

बरुआ ने कहा कि असम के एक छोटे से गांव में तैयार पारंपरिक कपड़े को कान के प्रतिष्ठित रेड कार्पेट तक पहुंचाने की यात्रा ने स्थानीय बुनकरों की कला और क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। उन्होंने युवा पीढ़ी से अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं पर गर्व करने तथा इस विरासत को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। निर्देशक डुयू तब्यो की फिल्म 'उरुम' अरुणाचल प्रदेश के एक दूरस्थ पहाड़ी समुदाय में अपनी छोटी बेटी की दुखद मृत्यु से जूझ रहे पिता की कहानी है।

जेल से छूटने वालों को जिंदगी दोबारा शुरू करने का मिलना चाहिए मौका : रूसी फिल्मकार

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। जेल में लंबा समय बिताने के बाद समाज में लौटने वाले लोगों को अपनी जिंदगी दोबारा शुरू करने के लिए कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। सजा पूरी होने के बाद भी वे अपराधबोध और अतीत के बोझ से मुक्त नहीं हो पाते। ऐसे लोगों को जिंदगी में दूसरा मौका मिलना चाहिए। रूसी फिल्मकार और निर्देशक निकिता ग्रुशिन ने रविवार को 57वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में अपनी फिल्म 'न्यू होम' के बारे में बातचीत के दौरान यह बात कही। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, रूस को इस वर्ष फिल्म महोत्सव में साझेदार देश के रूप में शामिल किया गया है। इसके तहत रूसी भाषा की 101 मिनट की फीचर फिल्म 'न्यू होम' का विश्व प्रीमियर आईएफएफआई में किया जा रहा है। ग्रुशिन ने बताया कि लंबे समय तक जेल में रहने के बाद पुनर्वास की प्रक्रिया से गुजर रहे लोगों के साथ बातचीत के दौरान उन्हें उनकी कठिनाइयों का अहसास हुआ। उन्होंने पाया कि समाज में दोबारा जगह बनाने और सामान्य जीवन शुरू करने के उनके संघर्ष पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। इसी अनुभव ने उन्हें इस विषय पर फिल्म बनाने के लिए प्रेरित किया। यह उनकी पहली ऐसी फीचर फिल्म है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया जा रहा है।फिल्म की कहानी अन्ना नाम की महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सात साल जेल में बिताने के बाद बाहर आती है। उसके पास न पैसा है, न परिवार और न ही भविष्य की कोई स्पष्ट दिशा। सामाजिक सेवाओं की मदद से उसे नौकरी और रहने की जगह मिलती है। इसी दौरान वह रोमन से मिलती है और एक सहायता समूह का हिस्सा बनती है।

संक्षिप्त डायरी

ट्रक ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, पिता-बेटी घायल

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। बिलासपुर थाना क्षेत्र में मन्नत होटल के सामने सात नवंबर को तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता और उनकी बेटी घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने ट्रक चालक और मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रेवाड़ी के शिवनगर पार्ट-2 निवासी ऋषि कुमार ने पुलिस को बताया कि सात नवंबर को वह अपनी बेटी विनती के साथ मोटरसाइकिल पर गुरुग्राम से रेवाड़ी जा रहे थे। दोपहर करीब ढाई बजे मन्नत होटल के सामने ट्रक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। एक राहगीर ने उन्हें धारूहेड़ा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अन्य अस्पतालों में भी ले जाया गया। मंगलवार को अस्पताल से छुट्टी मिली। पुलिस प्रवक्ता संदीप ने बताया कि ऋषि कुमार की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फुटेज के आधार पर हादसे की परिस्थितियों और ट्रक की पहचान की जांच की जा रही है।

3.68 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोपी को जमानत नहीं, एम्स में होगा इलाज

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। 3.68 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में आरोपी विजय कुमार शर्मा (64) को अदालत से राहत नहीं मिली है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डॉ. गगन गीत कौर की अदालत ने उसकी नियमित और अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। हालांकि, प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित आरोपी के स्वास्थ्य को देखते हुए भोंडसी जेल प्रशासन को दिल्ली स्थित एम्स में तत्काल इलाज कराने के निर्देश दिए हैं। उपचार के दौरान आरोपी सख्त पुलिस हिरासत में रहेगा। ओम लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि सुमित शर्मा ने वर्ष 2023 में उद्योग विहार थाना पुलिस को शिकायत दी थी। आरोप था कि इच्छापूर्ति ब्रांड से जुड़ी कंपनी के लोगों ने जुलाई 2021 से मार्च 2022 के बीच लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्ट, मैनपावर और सामग्री आपूर्ति के साथ सुपर फ्रेंचाइजी व बिजनेस पार्टनर मॉडल के नाम पर विभिन्न कंपनियों और व्यापारियों से सेवाएं व निवेश लिया, लेकिन भुगतान नहीं किया। इस मामले में 3.68 करोड़ रुपये से अधिक की राशि बकाया बताई गई। विजय कुमार शर्मा को 28 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार किया गया था। वह फिलहाल भोंडसी जेल में न्यायिक हिरासत में है।कंपनी को 38 से 50 लाख रुपये तक कर्ज दिया थाआरोपी के अधिवक्ताओं ने दलील दी कि उसे झूठा फंसाया गया है और वह संबंधित कंपनी में निदेशक या प्रवर्तक नहीं था। बचाव पक्ष ने दावा किया कि उसने कंपनी को 38 से 50 लाख रुपये तक कर्ज दिया था। साथ ही बताया कि आरोपी हाई-रिस्क प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित है और उसकी सर्जरी प्रस्तावित है। अभियोजन पक्ष ने कहा कि आरोपी बैंक खातों और वित्तीय लेनदेन को नियंत्रित कर रहा था। मामले में 57 वेंडरों से जुड़े करीब 9.64 करोड़ रुपये के घोटाले के आरोप भी रखे गए। अदालत ने आरोप गंभीर मानते हुए जमानत देने से इन्कार कर दिया। हालांकि, अनुच्छेद 21 के तहत स्वास्थ्य के अधिकार को देखते हुए एम्स में तत्काल इलाज कराने का आदेश दिया।

बिजली चोरी के मामले में उपभोक्ता की याचिका खारिज

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। बिजली चोरी और जुमार्ना नोटिस से जुड़े मामले में सिविल अदालत ने उपभोक्ता की याचिका क्षेत्राधिकार के अभाव में खारिज कर दी। सिविल जज (जूनियर डिवीजन) डॉ. मोहम्मद इम्तियाज खान की अदालत ने कहा कि बिजली चोरी और उससे संबंधित आकलन के मामलों की सुनवाई सिविल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में नहीं आती। मानेसर तहसील के गांव सिकंदरपुर बढ़ा निवासी दीपक कुमार ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की चेकिंग रिपोर्ट और जुमार्ना नोटिस को चुनौती दी थी। वादी का कहना था कि वह घर के बिजली कनेक्शन के नियमित बिलों का भुगतान करता रहा है। 13 फरवरी 2020 को उसकी अनुपस्थिति में निगम कर्मचारियों ने पुराना मीटर बदलकर नया मीटर लगा दिया। इसके बाद उसे कार्यालय बुलाकर 25 हजार रुपये देने और बिजली चोरी का केस दर्ज कराने की धमकी दी गई। वादी के अनुसार, 29 फरवरी 2020 को उसे चेकिंग रिपोर्ट और दो मेमो दिए गए। इनमें उस पर 1.40 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया था। उसने इस कार्रवाई को गलत बताते हुए अदालत में याचिका दायर की थी। वहीं, निगम ने अदालत में दलील दी कि जांच के दौरान मीटर की बॉडी से छेड़छाड़ मिली थी। मीटर को चिपकाने वाले पदार्थ से दोबारा जोड़ा गया था। इसके अलावा फेज और न्यूट्रल सीटी तारों में रेसिस्टेंस लगाकर बिजली की खपत में हेरफेर किया जा रहा था। निगम ने इसे बिजली चोरी का मामला बताया। अदालत ने मामले में क्षेत्राधिकार नहीं होने के आधार पर उपभोक्ता की याचिका खारिज कर दी।

बारिश से घर में हुए नुकसान का क्लेम नहीं देना कंपनी को पड़ा भारी

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। भारी बारिश से घर में पानी भरने पर घरेलू सामान को हुए नुकसान का बीमा क्लेम नहीं देना एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को महंगा पड़ गया। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने कंपनी को 60,050 रुपये नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ देने का आदेश दिया है। साथ ही 15 हजार रुपये मुआवजा और 11 हजार रुपये कानूनी खर्च भी देना होगा। आदेश आयोग के अध्यक्ष संजीव जिंदल ने दिया। पटौदी तहसील के गांव जटौली निवासी सतबीर ने आठ अगस्त 2022 को आयोग में याचिका दायर की थी। उन्होंने बताया कि 20 अगस्त 2020 को भारी बारिश से उनके घर में पानी भर गया था। इससे घरेलू सामान खराब हो गया। उन्होंने एचडीएफसी एर्गो की सर्व सुरक्षा पॉलिसी के तहत कुल 4.90 लाख रुपये के नुकसान का दावा किया था। आयोग ने पाया कि कंपनी के सर्वेयर ने घरेलू सामान के नुकसान का आकलन 60,050 रुपये किया था, लेकिन कंपनी ने इसका भुगतान नहीं किया। नौकरी छूटने और पिता की बीमारी से जुड़े दावों को पर्याप्त साक्ष्य नहीं होने पर स्वीकार नहीं किया गया। आयोग ने क्लेम रोकने को सेवा में कमी मानते हुए ब्याज सहित भुगतान का आदेश दिया।

घामड़ोज में मादा तेंदुआ दो शावकों के साथ दिखी

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। घामड़ोज गांव में मादा तेंदुआ अपने दो शावकों के साथ घूमती दिखाई दी। गांव के एक आश्रम के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में तीनों की गतिविधियां कैद हुई हैं। फुटेज सामने आने के बाद आसपास के गांवों में भी ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। सीसीटीवी फुटेज में रात के समय एक दीवार के ऊपर से एक के बाद एक तीन तेंदुए नीचे उतरते दिखाई दे रहे हैं। इनमें एक मादा तेंदुआ और उसके दो शावक हैं। तीनों आश्रम परिसर में रखी पानी की टंकी के पास पहुंचकर पानी पीते हैं। कुछ देर आसपास घूमने के बाद वहां से आगे बढ़ जाते हैं। ग्रामीणों के अनुसार, घामड़ोज में पहले भी तेंदुआ देखा जा चुका है। आश्रम, देवी मंदिर और मिढ़ावली क्षेत्र में भी पिछले कुछ समय से तेंदुए की गतिविधियां सामने आती रही हैं। अब मादा तेंदुआ के साथ दो शावकों के दिखाई देने से लोगों में डर बना हुआ है। घामड़ोज के साथ रायसीना, सांप की नंगली, भोंडसी, टिकली और सकतपुर सहित अरावली की तलहटी में बसे गांवों के लोग भी चिंतित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में तेंदुए की आवाजाही से लोगों को सतर्क रहना पड़ रहा है। उन्होंने संबंधित विभाग से निगरानी बढ़ाने और सुरक्षा के जरूरी कदम उठाने की मांग की है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए से अभियान, 21, 22, 28 और 29 नवंबर को मतदान केंद्र पर भरे जाएंगे फॉर्म

अनप्लग इंडिया



नोएडा। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान-2027 के तहत गौतमबुद्धनगर जिले में मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए निर्वाचन विभाग की ओर से आज से चार दिन विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए 21, 22, 28 और 29 नवंबर की तारीख निर्धारित की गई है। इन चारों दिनों में जिले के सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) और पदाभिहित अधिकारी मौजूद रहेंगे। अभियान के दौरान पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने, पहले से दर्ज नाम को हटवाने, नाम-पते में संशोधन कराने और विधानसभा क्षेत्र के भीतर या बाहर स्थान परिवर्तन के लिए आवेदन कर सकेंगे। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशों के क्रम में डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कराया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत 17 नवंबर 2026 को मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन किया जा चुका है। इसके बाद मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जा रही हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के : अनुसार 21 नवंबर (शनिवार), 22 नवंबर (रविवार), 28 नवंबर (शनिवार) और 29 नवंबर (रविवार) को विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जाएंगे। पहले और दूसरे विशेष अभियान के तहत 21 और 22 नवंबर को जिले के तीनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्रों पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक उपस्थित रहेंगे। इसी तरह 28 और 29 नवंबर को भी मतदाता सूची से संबंधित कार्यों के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। प्रशासन ने जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं और पात्र नागरिकों से इस अभियान का लाभ उठाने की अपील की है। गौतमबुद्धनगर जिले में 61-नोएडा, 62-दादरी और 63-जेवर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। इन तीनों क्षेत्रों के सभी मतदेय स्थलों पर बीएलओ की उपस्थिति में मतदाता सूची से संबंधित आवेदन और आपत्तियां स्वीकार की जाएंगी। निर्वाचन विभाग के अनुसार जिन पात्र नागरिकों का नाम 17 नवंबर को प्रकाशित मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे अपने संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर बीएलओ को आवश्यक दस्तावेजों के साथ फार्म-6 भरकर जमा करा सकते हैं। इसके माध्यम से पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकेंगे। खासकर ऐसे युवा जो 1 जनवरी 2027 को निर्धारित अर्हता के अनुसार मतदाता बनने की पात्रता रखते हैं, वे इस अभियान के दौरान अपना पंजीकरण करा सकते हैं। मतदाता सूची में यदि किसी ऐसे व्यक्ति का नाम दर्ज है, जिसकी मृत्यु हो चुकी है, या किसी मतदाता का नाम दो स्थानों पर दर्ज है अथवा कोई व्यक्ति स्थायी रूप से दूसरे स्थान पर शिफ्ट हो चुका है, तो ऐसी स्थिति में संबंधित परिजन या पात्र व्यक्ति फार्म-7 भरकर नाम हटाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। निर्वाचन विभाग ने ऐसे मामलों में सही जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की है, ताकि मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाया जा सके। इसके अलावा मतदाता सूची में पहले से दर्ज किसी मतदाता के नाम, पते या अन्य विवरण में गलती होने पर फार्म-8 भरकर संशोधन कराया जा सकता है। यदि कोई मतदाता अपना निवास स्थान बदल चुका है और मतदाता सूची में नए पते के अनुसार स्थानांतरण कराना चाहता है, तो इसके लिए भी फार्म-8 के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। ये आवेदन संबंधित बीएलओ के पास या निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा कराए जा सकते हैं। निर्वाचन विभाग ने नागरिकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई है। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, नाम हटवाने और संशोधन से संबंधित फार्म मोबाइल ऐप तथा भारत निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर भरे जा सकते हैं। प्रशासन ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे प्रकाशित मतदाता सूची में अपना नाम और अन्य विवरण अवश्य जांच लें। यदि किसी प्रकार की त्रुटि या कमी मिलती है तो निर्धारित फार्म भरकर समय रहते आवेदन करें। विशेष अभियान के दौरान मतदान केंद्रों पर बीएलओ की मौजूदगी का लाभ उठाकर मतदाता अपने दस्तावेजों के साथ आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। निर्वाचन विभाग का उद्देश्य आगामी निर्वाचन प्रक्रिया से पहले मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है।

जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। विद्यार्थियों में विज्ञान और तकनीक के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए शनिवार को समग्र शिक्षा के तहत जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की गई। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (जीएसएसएस) बसई में हुई प्रदर्शनी में कक्षा छह से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर विज्ञान मॉडल बनाकर अपनी रचनात्मक सोच और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सात अलग-अलग थीम के आधार पर मॉडलों का मूल्यांकन किया गया। प्रत्येक थीम में पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले विद्यार्थियों का चयन किया गया। प्रदर्शनी में गणितीय मॉडलिंग एवं कम्प्यूटेशनल थिंकिंग, ग्रीन एनर्जी एवं पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण परिवर्तन के लिए विज्ञान, पारंपरिक कृषि पद्धतियां, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं साफ़-सफाई, आपदा प्रबंधन और बेहतर जीवन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषय शामिल रहे। विद्यार्थियों ने इन विषयों पर मॉडल प्रस्तुत कर विज्ञान के व्यावहारिक उपयोग को समझाने का प्रयास किया। प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करना रहा। ग्रामीण जीवन, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य और आधुनिक तकनीक से जुड़ी थीम के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिला। निर्णायक मंडल ने सभी मॉडलों का मूल्यांकन कर परिणाम घोषित किए। सातों थीम में तीन-तीन स्थानों के लिए विद्यार्थियों का चयन किया गया। इस तरह कुल 21 स्थानों पर विद्यार्थियों ने उपलब्धि हासिल की। प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों को किताबी पढ़ाई के साथ प्रयोग करने और नए विचारों को सामने रखने का मंच दिया।

विशेष बच्चों ने जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में दिखाया दमखम -सात स्कूलों और संस्थाओं के बच्चों ने लिया हिस्सा

अनप्लग इंडिया



गुरुग्राम। बौद्धिक एवं बहु-दिव्यांगता वाले बच्चों को खेलों के माध्यम से प्रतिभा दिखाने का अवसर देने के उद्देश्य से शनिवार को जिला स्तरीय विशेष खेल प्रतियोगिता के तीसरे सीजन का आयोजन किया गया। खुशबू संस्था की ओर से डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में सात स्कूलों और गैर-सरकारी संगठनों के बच्चों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। बच्चों ने विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा और खेल भावना का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन टावेंट टेक्नोलॉजीज के एसोसिएट डायरेक्टर धीरज गंभीर, खुशबू संस्था के अध्यक्ष राकेश जिंसी और कार्यकारिणी सदस्य उषा मलिक ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत बोच्चे खेल से हुई। अतिथियों ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया और उनके प्रयासों की सराहना की। प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल, कॉग्निएबल, मुस्कान, राधिका फाउंडेशन, नवोदय स्पेशल स्कूल, आलाप होम और खुशबू संस्था के बच्चों ने भाग लिया। इसमें 25, 50 और 100 मीटर दौड़, सॉफ्टबॉल थ्रो, गोला फेंक, बोच्चे और हैंडबॉल की प्रतियोगिताएं कराई गईं। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ खेलों में हिस्सा लिया। आयोजकों के अनुसार, प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों की शारीरिक फिटनेस के साथ आत्मविश्वास, आपसी मेलजोल और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना था। खेलों के माध्यम से उन्हें अपनी क्षमता प्रदर्शित करने और दूसरे बच्चों के साथ जुड़ने का अवसर मिला। कार्यक्रम के समापन पर पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया और विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

भाजपा नेता से पांच करोड़ की फिरौती मांगने में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

अनप्लग इंडिया



नोएडा। भाजपा नेता जाहिद हुसैन से पांच करोड़ रुपये की फिरौती मांगने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में नूंह पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मुकीम गांव बाई का रहने वाला है। पुलिस ने उसे चार दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, जाहिद हुसैन को 27 सितंबर की रात उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले ने खुद को रोहित गोदारा और लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए दो दिन के भीतर पांच करोड़ रुपये देने की मांग की थी। रकम नहीं देने पर भाजपा नेता और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई थी। इसी नंबर से रात करीब 8:23 बजे दोबारा फोन कर जवाब देने का दबाव बनाया गया था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने सबसे पहले उत्तर प्रदेश निवासी आकाश को गिरफ्तार किया। इसके बाद गांव बाई के फरीद को पकड़ा गया। अब तीसरे आरोपी मुकीम को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, मुकीम पहले गिरफ्तार किए गए आरोपी लतीफ का भाई है। इस मामले में अब तक गिरफ्तार तीन आरोपियों में दो गांव बाई के रहने वाले हैं। भाजपा नेता जाहिद हुसैन भी मूल रूप से इसी गांव के निवासी हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी से पूछताछ कर फिरौती मांगने की साजिश और इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में अभी कुछ अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी बाकी है। पुलिस पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सम्मानित

अनप्लग इंडिया



सोहना। कस्बे के शिव पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें सोहना के भाजपा विधायक तेजपाल तंवर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलों में भी भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। इनसे शरीर स्वस्थ रहने के साथ अनुशासन की भावना भी विकसित होती है। विधायक ने कहा कि सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनका लाभ खिलाड़ियों को मिल रहा है। स्कूल प्रबंधन की ओर से उनका बुके देकर स्वागत किया गया। प्रतियोगिता की शुरूआत खिलाड़ियों के मार्चपास्ट और मशाल जलाकर की गई। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर स्कूल चेयरमैन मुकेश बंसल, पूर्व पार्षद रवि शंकर सिंगला, अनिल गर्ग, मार्केट कमेटी चेयरमैन दयाराम लोहिया, वाइस चेयरमैन अशोक बंसल और एसीपी मुकेश यादव सहित शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे। एक दर्जन स्पधाओं में दिखाया दमखम- प्रतियोगिता में करीब एक दर्जन स्पधाएं आयोजित की गईं। इनमें दौड़, साइकिल रेस, लॉन्ग जंप और हाई जंप शामिल रहीं। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा दिखाई। विजेता विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगी नकद राशि- कार्यक्रम में स्कूल चेयरमैन मुकेश बंसल ने घोषणा की कि वार्षिक परीक्षा में निर्धारित अंक हासिल करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को नकद राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने प्रतियोगिता के विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

34 लाख रुपये की ठगी, बैंक खाता दिलाने वाला आरोपी पकड़ा

शेयर बाजार में निवेश पर मोटे मुनाफे का दिया था झांसा, खाते की व्यवस्था कराने के मिले थे 60 हजार रुपये



गुरुग्राम। डिजिटल दौर में जहाँ एक ओर निवेश के माध्यम आसान और सुलभ हुए हैं, वहीं दूसरी ओर साइबर अपराधी भी लोगों की गाढ़ी कमाई हड़पने के लिए नए-नए और बेहद शातिर तरीके अपना रहे हैं। शेयर बाजार में कम समय में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर लोगों को अपने जाल में फंसाना इन दिनों साइबर ठगों का सबसे पसंदीदा हथियार बन चुका है। ऐसा ही एक गंभीर मामला साइबर सिटी कहे जाने वाले गुरुग्राम से सामने आया है, जहाँ साइबर ठगों ने एक व्यक्ति को शेयर बाजार में निवेश पर भारी रिटर्न दिलाने का झांसा देकर करीब 34 लाख रुपये की चपत लगा दी। इस मामले में कार्रवाई करते हुए गुरुग्राम पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है और ठगी की रकम के लेनदेन के लिए बैंक खाता उपलब्ध कराने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपराधियों को न केवल बैंक खाता मुहैया कराया था, बल्कि खाताधारक की ठगों से मुलाकात भी करवाई थी। इस पूरे खेल में उसे कमीशन के तौर पर 60 हजार रुपये मिले थे। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है और इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है। क्या है पूरा मामला? पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मामला 14 अक्तूबर 2026 को गुरुग्राम के साइबर क्राइम वेस्ट थाना में दर्ज की गई एक शिकायत के बाद सामने आया। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि कुछ अज्ञात लोगों ने उससे संपर्क किया और शेयर बाजार में निवेश करने पर असाधारण व मोटा मुनाफा कमाने का प्रलोभन दिया। ठगों ने खुद को निवेश और बाजार का विशेषज्ञ बताते हुए पीड़ित का भरोसा जीतने की पूरी कोशिश की। उन्हें लगा कि सही जानकारी और मार्गदर्शन के साथ निवेश करने पर उन्हें बड़ा लाभ मिल सकता है। इसी लालच और भरोसे में आकर शिकायतकर्ता ने ठगों के बताए गए निदेर्शों और माध्यमों के अनुसार अलग-अलग किस्तों में करीब 34 लाख रुपये निवेश कर दिए। शुरूआत में ठगों ने पीड़ित को भरोसे में बनाए रखने के लिए तरह-तरह के दावे किए, लेकिन जब रकम निकालने या वास्तविक मुनाफे की बात आई, तो टालमटोल शुरू हो गया। धीरे-धीरे शिकायतकर्ता को यह एहसास हुआ कि उनके साथ किसी तरह का असली निवेश नहीं हो रहा है, बल्कि वे एक सुनियोजित साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो चुके हैं। ठगी का अहसास होते ही पीड़ित ने बिना देर किए साइबर क्राइम वेस्ट थाना पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस की कार्रवाई और आरोपी की गिरफ्तारी शिकायत मिलते ही गुरुग्राम पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। साइबर मामलों में अक्सर अपराधियों तक पहुंचने के लिए पैसों के लेनदेन (मनी ट्रेल) और बैंक खातों की भूमिका सबसे अहम होती है।

संपादकीय

आस्था, प्रकाश, दान और मानवता का महापर्व



भारतीय संस्कृति में कार्तिक पूर्णिमा का विशेष आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्त्व है। यह पर्व आस्था, पवित्रता, दान, सेवा और आत्मचिंतन का संदेश देता है। कार्तिक मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह अवसर धार्मिक परंपराओं के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता की भावना को भी पुष्ट करता है। वर्ष 2026 में इसकी तिथि के लिए स्थानीय पंचांग का अनुसरण करना उचित होगा। हिंदू धार्मिक परंपरा में कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली के रूप में भी मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध कर संसार को उसके आतंक से मुक्त कराया था। इस प्रसंग के कारण इसे त्रिपुरारी पूर्णिमा भी कहा जाता है। वाराणसी सहित अनेक स्थानों पर इस अवसर पर घाटों और मंदिरों में दीप प्रज्वलित किए जाते हैं। गंगा सहित पवित्र नदियों में स्नान, पूजा-पाठ और दान की परंपरा भी प्रचलित है।सिख परंपरा में भी कार्तिक पूर्णिमा का विशेष स्थान है, क्योंकि इसी दिन गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व मनाया जाता है। उनके जीवन और उपदेशों ने मानवता, समानता, सेवा तथा सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इस प्रकार यह पर्व विभिन्न धार्मिक परंपराओं के बीच सद्भाव और मानवीय मूल्यों की साझा भूमि प्रस्तुत करता है। दीप प्रज्वलित करना केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि अज्ञान पर ज्ञान, निराशा पर आशा और द्वेष पर प्रेम की विजय का प्रतीक है। बाहर जलने वाला दीप तभी सार्थक है, जब वह हमारे भीतर भी संवेदना और विवेक का प्रकाश जगाए। आज समाज अनेक चुनौतियों से गुजर रहा है। कटुता, स्वार्थ, भेदभाव और असहिष्णुता के बीच कार्तिक पूर्णिमा हमें आत्ममंथन का अवसर देती है। क्या हमारी आस्था हमें दूसरों के प्रति अधिक करुणाशील बनाती है? क्या हमारा धर्म हमें जरूरतमंदों की सहायता करना सिखाता है? इन प्रश्नों के उत्तर ही पर्व की वास्तविक सार्थकता निर्धारित करते हैं। कार्तिक पूर्णिमा पर दान-पुण्य की परंपरा हमें जरूरतमंदों के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराती है। भूखे को भोजन, जरूरतमंद को वस्त्र, विद्यार्थी को पुस्तक और असहाय को सहयोग देना भी मानवीय सेवा के महत्त्वपूर्ण रूप हैं।दान का मूल्य उसकी राशि से नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपी भावना से तय होता है। यदि किसी व्यक्ति की सहायता से उसके जीवन में आशा लौटती है, तो वही सच्चा पुण्य है। पर्व हमें यह भी सिखाता है कि सामाजिक विषमता को कम करने के लिए केवल उपदेश पर्याप्त नहीं; संवेदनशील व्यवहार और निरंतर सेवा भी आवश्यक हैं। कार्तिक पूर्णिमा पर नदियों और जलस्रोतों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की जाती है। लेकिन श्रद्धा का वास्तविक प्रमाण उन्हें स्वच्छ रखने में है। पूजा-सामग्री, प्लास्टिक और अन्य कचरा जल में प्रवाहित करना हमारी परंपरा की मूल भावना के विपरीत है। नदियाँ जीवनदायिनी हैं; उनका संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस पर्व पर संकल्प लिया जा सकता है कि हम जलस्रोतों को प्रदूषित नहीं करेंगे, घाटों की स्वच्छता बनाए रखेंगे और जल संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएँगे। प्रकृति की पूजा तभी पूर्ण होगी, जब प्रकृति की रक्षा भी की जाएगी।कार्तिक पूर्णिमा हमें आस्था के साथ विवेक, पूजा के साथ सेवा और परंपरा के साथ जिम्मेदारी का संदेश देती है। दीपों की पंक्तियाँ तभी सुंदर लगती हैं,

नागरिकों की संवैधानिक गारंटी की रक्षा करने में नाकाम रहा है चुनाव आयोग

नीलोत्पल बसु

यह उम्मीद के मुताबिक ही था, क्योंकि इसमें चुनावी लोकतंत्र का स्वभाव शामिल है। एक चुनी हुई सरकार की वैधता चुनावी प्रक्रिया के संचालन की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर निर्भर करती है। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि इसके लिए मूल रूप से एक समान खेल के मैदान की ज़रूरत है, जिसे सुनिश्चित करने का काम चुनाव आयोग का है।

पिछले डेढ़ साल से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सुर्खियों में बना हुआ है। शुरुआत में, यह यूट्यूबरों, वेबसाइटों, और अन्य डिजिटल माध्यमों के ज़रिए स्वतंत्र मीडिया तक ही सीमित था। लेकिन यह प्रक्रिया इतना विवादित और कभी-कभी इतना अपमानजनक रहा है कि यह विषय अब मुख्यधारा के समाचार माध्यमों में भी काफी जगह ले रहा है। बेशक, यह मुद्दा इसलिए भी इतना प्रमुख हो गया है क्योंकि विपक्ष ने जनता का ध्यान बनाए रखने और इस विषय को सुर्खियों में रखने की पहल की है।

यह उम्मीद के मुताबिक ही था, क्योंकि इसमें चुनावी लोकतंत्र का स्वभाव शामिल है। एक चुनी हुई सरकार की वैधता चुनावी प्रक्रिया के संचालन की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर निर्भर करती है। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि इसके लिए मूल रूप से एक समान खेल के मैदान की ज़रूरत है, जिसे सुनिश्चित करने का काम चुनाव आयोग का है। इसी वजह से मौजूदा भारतीय चुनाव आयोग इतनी गहरी जांच के दायरे में आया है।

हालांकि, जिस बात पर ज़ोर देने की ज़रूरत है, वह है नागरिकता का विचार। यही मुख्य सवाल है जिसे ठीक से समझने और समझाने की ज़रूरत है। एसआईआर के विवादित चरित्र के सुबूत के तौर पर, बिहार में अपने शुरुआती दौर से ही, मामलों को न्यायपालिका, खासकर सर्वोच्च न्यायालय को भेजा जाता था और क्या उम्मीद भी की जा सकती थी? संविधान खुद साफ-साफ कहता है कि चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता चुनाव आयोग के स्वतंत्र कामकाज पर निर्भर करती है, और इसलिए यह इसे एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था बनाता है, जो इसे बाहरी राजनीतिक दबावों, खासकर सत्तारूढ़ पार्टी के दबावों से बचाता है।

यह पक्का करने के लिए, संविधान ने आर्टिकल 326 में साफ कहा था कि चुनाव सच में सार्वभौमिक मतदान के अधिकार से चलने वाला होना चाहिए, जिसके केंद्र में नागरिक हो। संविधान ने मतदाता की नागरिकता को स्वघोषणा के आधार पर माना। हालांकि, चुनाव आयोग को उस स्वघोषणा की पुष्टि करने की ज़िम्मेदारी दी गई थी। बाद के कानूनों और नियमों ने, जब भी ज़रूरत हो, ऐसे पुष्टिकरण के लिए एक कानूनी प्रक्रिया तय की। लेकिन बारीक बातें साफ़ नहीं थीं। चुनाव आयोग के पास किसी मतदाता की नागरिकता तय करने का अधिकार नहीं



था। उन नियमों के तहत खास फॉर्म दिए गए थे, जिन्हें अगर आस-पास के दूसरे नागरिकों को उस वोटर की पहचान पर शक हो तो भरा जा सकता था।

भले ही सर्वोच्च न्यायालय ने कई कानूनी विवादों को पूरी तरह से सुलझाया नहीं, लेकिन उसने ज़ोर देकर कहा है कि मतदाता का नाम मतदाता सूची में होना या न होना उसकी नागरिकता पर आखिरी फैसला नहीं माना जा सकता।

यह भी बहुत साफ़ है कि फॉर्म 7 का इस्तेमाल, और चुनाव आयोग द्वारा इसकी पहचान और पुष्टिकरण, एसआईआर पर पूरी बहस के सबसे विवादित पहलुओं में से एक रहा है। नाम हटाने के लिए फॉर्म 7 का गलत इस्तेमाल, भाजपा और उसके बूथ-लेवल एजेंटों द्वारा, और यहां तक कि खुद चुनाव आयोग द्वारा (विशेषकर पश्चिम बंगाल में) इसे बड़ी संख्या में जमा करना, अब सर्वोच्च न्यायालय के सामने चुनाव आयोग के अपने हलफनामे के ज़रिए रिकॉर्ड में है।

असल बात यह है कि बड़ी संख्या में मतदाताओं को बड़े पैमाने पर मतदान करने के अधिकार से वंचित किया गया है। अब बिना कही गई लेकिन अंदरूनी कहानी यह है कि जिनके नाम हटाए गए हैं, उन्हें गैर-नागरिक माना जा रहा है। इस कहानी से गहराई से जुड़ा हुआ है भाजपा-आरएसएस का अभियान, खासकर असम और बंगाल में, जिसमें आरोप लगाया गया है कि बांग्लादेश से आए घुसपैठियों ने मतदाता सूची में घुसपैठ की है और मतदाता सूची को खराब कर दिया है। इस कहानी को चुनाव आयोग ने 24 जून, 2025 को अपनी पहली अधिसूचना में आधिकारिक तौर पर सही ठहराया था। भले ही चुनाव आयोग के पास नागरिकता तय करने का अधिकार नहीं है, लेकिन उसने शायद इस अधिकार को मत देने के अधिकार से वंचित करने की मुख्य वजह बताया है।

क्या यह अचानक हुआ? जवाब है नहीं। अमित शाह का ज़ोरदार दावा था कि मतदाता सूची में बदलाव का मकसद 'उन घुसपैठियों का पता लगाना, उन्हें हटाना और देश से निकालना' होगा जिन्होंने 'मतदाता सूची को खराब किया है'। लेकिन, चुनाव आयोग अपने औपचारिक फैसले लेने की प्रक्रिया में ऐसा कोई सुबूत नहीं दे पाया कि ऐसा कोई मामला बनाया गया था। लगभग 13.5 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे जाने के बावजूद, पहचाने गए घुसपैठियों की संख्या बहुत कम है। इस छोटी सी संख्या में भी, ज़्यादातर नेपाल से थे। कुछ राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों ने बताया है कि यह सवाल पूछा ही नहीं गया था।

इसलिए, यह साफ है कि घुसपैठियों का पूरा मुद्दा नागरिकता को सामने लाने और उस पर बड़ा सवालिया निशान लगाने के लिए एक हौवा था। इस बीच, भाजपा की अगुवाई वाली राज्य सरकारों और अब केंद्र सरकार के पंचायती राज मंत्रालय ने भी ऐलान कर दिया है कि सरकारी योजनाओं और फंड तक पहुंच के लिए आधार कार्ड नहीं, बल्कि एपिक (वोटर आईडी कार्ड) और बायोमेट्रिक्स को आधार बनाया जाएगा, जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने इसके उलट राय दी है।

इस बहाने से नागरिकता को आगे बढ़ाया जा रहा है। नागरिकता के सवाल पर संशय होने की स्थिति में, हमें नागरिकता के मुद्दे पर हिंदुत्ववादी ताकतों के ऐतिहासिक रुख पर एक नज़र डालनी होगी। सावरकर ने अपने पैम्फलेट 'हू इज़ अ हिंदू' (हिंदू कौन है) में यह तर्क दिया था कि जिन लोगों के लिए भारत 'पितृभूमि' और 'पुण्यभूमि' दोनों है, उन्हें ही नागरिक माना जाना चाहिए। इस तरह, धार्मिक पहचान को राष्ट्र और नागरिकता के आधार के रूप में परोक्ष रूप से स्थापित करने की कोशिश की गई। बाद में, गोलवलकर ने अपनी किताब 'वी ओर आवर नेशनहुड डिफाइंड' (हम या हमारी राष्ट्र-परिभाषा) में इसे और भी स्पष्ट शब्दों में दोहराया।

लेकिन लगभग सात दशकों तक नागरिकता का यह सवाल दबा रहा, जिसे बाद में राम जन्मभूमि अभियान के दौरान फिर से जोर-शोर से उठाया गया। हालांकि, अगर बारीकी से देखा जाए, तो सावरकर का दृष्टिकोण आज की मांग से कुछ अलग है। आज 'हिंदू राष्ट्र' की जो मुहिम चल रही है, उसमें ब्राह्मणवादी धार्मिकता का कहीं अधिक खुला और प्रत्यक्ष आग्रह दिखाई देता है। कुल मिला कर, इसका मकसद राष्ट्र और नागरिकता को परिभाषित करने के लिए धार्मिक पहचान के सवाल को जबरन बीच में लाकर, हमारे गणतंत्र के लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष आधार को नकारना है। इसलिए, मौजूदा हमला सिर्फ वोट देने के अधिकार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिकता और राष्ट्र की अवधारणा की जड़ पर प्रहार करता है। इन व्यापक परिणामों को समझे बिना, आज की इस गंभीर चुनौती का सामना नहीं किया जा सकता।

दुनिया में युद्ध नहीं, संवाद से बनेगी शांति

-सौरभ वार्ष्णेय

आज पूरी दुनिया युद्ध, आतंकवाद, क्षेत्रीय संघर्ष, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और कूटनीतिक तनाव के दौर से गुजर रही है। कहीं सीमाओं को लेकर विवाद है तो कहीं धार्मिक और वैचारिक मतभेद हिंसा का रूप ले रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर पश्चिम एशिया के तनाव तक, दुनिया के सामने शांति और स्थिरता बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे समय में भारत की राजधानी नई दिल्ली में शंघाई सहयोग संगठन एससीओ के पहले सभ्यतागत संवाद मंच का आयोजन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति को एक नई दिशा देने की महत्वपूर्ण पहल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऐतिहासिक पुराना किला में इस मंच का उद्घाटन करना भारत की उस सभ्यतागत सोच को रेखांकित करता है, जिसमें युद्ध के बजाय संवाद, टकराव के बजाय सहयोग और वर्चस्व के बजाय सह-अस्तित्व को प्राथमिकता दी गई है।



प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में उचित ही कहा कि जब दुनिया में युद्ध और अशांति की चर्चा हो रही है, तब सभ्यताओं के बीच संवाद की पहल बेहद महत्वपूर्ण है। वैश्विक शांति की सबसे मजबूत गारंटी सांस्कृतिक जुड़ाव है। यह विचार आज के अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में विशेष महत्व रखता है। दुनिया ने बार-बार देखा है कि केवल सैन्य शक्ति, हथियारों का विस्तार और आर्थिक प्रतिबंध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं दे सकते। युद्ध किसी एक देश की सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और मानवीय जीवन पर पड़ता है। ऐसे में शांति की तलाश केवल राजनीतिक समझौतों से नहीं, बल्कि समाजों और सभ्यताओं के बीच विश्वास पैदा करने से भी संभव है।

भारत की सभ्यतागत विरासत इस दिशा में उसकी सबसे बड़ी ताकत है। हजारों वर्षों से भारत ने विविधता को संघर्ष का नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व का आधार बनाया है। यहां अलग-अलग भाषाएं, धर्म, संस्कृतियां, परंपराएं और जीवन पद्धतियां एक साथ विकसित हुई हैं। भारतीय दर्शन का मूल संदेश ही वसुधैव कुटुम्बकम अर्थात पूरी दुनिया एक परिवार है। यह विचार केवल आदर्शवादी नारा नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मानवीय दृष्टिकोण से देखने की एक व्यापक अवधारणा है। भारत की यही सोच उसे वैश्विक मंचों पर संवाद और सहयोग का समर्थक बनाती है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में लगभग पांच हजार वर्ष पुराने सिंधु घाटी और मेसोपोटामिया के व्यापारिक संबंधों का उल्लेख कर यह याद दिलाया कि सभ्यताओं का विकास कभी अलग-थलग रहकर नहीं हुआ। प्राचीन व्यापार मार्गों ने भारत, चीन, मध्य एशिया और यूरेशिया के विभिन्न क्षेत्रों को आपस में जोड़ा था। इन मार्गों से केवल वस्तुओं का व्यापार नहीं होता था, बल्कि विचारों, भाषाओं, कलाओं, ज्ञान और परंपराओं का भी आदान-प्रदान होता था। यही सांस्कृतिक संपर्क मानव सभ्यता को समृद्ध बनाता रहा। इतिहास का यह उदाहरण आज भी प्रासंगिक है, क्योंकि आधुनिक दुनिया में तकनीक और परिवहन ने भौगोलिक दूरियां कम कर दी हैं, लेकिन मानसिक और वैचारिक दूरियां अब भी बनी हुई हैं। इन्हें समाप्त करने के लिए ऐसे मंचों की आवश्यकता है जहां देश एक-दूसरे की संस्कृति और संवेदनाओं को समझ सकें।

एससीओ लंबे समय से सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय संपर्क जैसे विषयों पर सहयोग बढ़ाने का प्रयास करता रहा है। लेकिन बदलते वैश्विक हालात में इस संगठन की भूमिका केवल सामरिक और आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसके सदस्य देशों के बीच ऐतिहासिक, धार्मिक, भाषाई और सांस्कृतिक संबंधों की लंबी परंपरा रही है। भारत, चीन, रूस, मध्य एशियाई देशों और अन्य सदस्य राष्ट्रों के बीच प्राचीन काल से संपर्क और आदान-प्रदान के अनेक उदाहरण मौजूद हैं। यदि इन साझा विरासतों को आधुनिक कूटनीति का आधार बनाया जाए तो क्षेत्रीय विश्वास बढ़ाने में मदद मिल सकती है। सभ्यतागत संवाद मंच इसी दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है।

इस आयोजन में पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसादिक मलिक की भागीदारी भी अपने आप में महत्वपूर्ण है। भारत और पाकिस्तान के संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं। आतंकवाद, सीमा विवाद और राजनीतिक अविश्वास ने दोनों देशों के बीच सामान्य संबंधों की संभावनाओं को प्रभावित किया है। ऐसे माहौल में किसी बहुपक्षीय मंच पर दोनों देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी यह संदेश देती है कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग के कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं, जहां संवाद और सहभागिता के रास्ते खुले रखे जाने चाहिए। हालांकि यह स्पष्ट रहना चाहिए कि सांस्कृतिक संवाद का अर्थ राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों की अनदेखी करना नहीं है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर रुख और शांति के लिए कूटनीतिक प्रयास एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि जिम्मेदार विदेश नीति के दो आवश्यक पक्ष हैं।

20 से 22 नवंबर तक आयोजित इस तीन दिवसीय मंच में एससीओ के सदस्य देशों के साथ पर्यवेक्षक और संवाद सहयोगी देशों की भागीदारी भी इसकी व्यापकता को दर्शाती है। भारतीय पुरातात्विक, कलात्मक और साहित्यिक विरासत को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी तथा 18वीं सदी की महाभारत चित्रित पांडुलिपि भारतीय संस्कृति की गहराई और रचनात्मक समृद्धि को सामने लाती है। कला, संगीत, भाषा, साहित्य, वास्तुकला और दर्शन पर होने वाले विशेष सत्र इस बात का प्रमाण हैं कि संस्कृति केवल अतीत की स्मृतियों का संग्रह नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य को जोड़ने वाली जीवंत शक्ति है।

हालांकि किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच की सफलता केवल उद्घाटन समारोह, भाषणों और सांस्कृतिक प्रदर्शनियों से तय नहीं होती। उसकी वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उससे निकलने वाले विचार व्यवहार में कितने उतरते हैं। क्या सदस्य देश सांस्कृतिक आदान-प्रदान के स्थायी कार्यक्रम शुरू करेंगे? क्या विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, कलाकारों और युवाओं को एक-दूसरे के देशों में जाने के अधिक अवसर मिलेंगे? क्या ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण, पर्यटन, शिक्षा और भाषा के क्षेत्र में संयुक्त परियोजनाएं विकसित होंगी? इन सवालों के जवाब ही इस पहल की दीर्घकालिक उपयोगिता तय करेंगे।

आज दुनिया को ऐसे नेतृत्व और ऐसे मंचों की जरूरत है जो मतभेदों को दुश्मनी में बदलने के बजाय समाधान का रास्ता खोजें। भारत को अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक कूटनीतिक क्षमता के आधार पर इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। यह भी जरूरी है कि सभ्यताओं के संवाद को किसी एक देश की श्रेष्ठता स्थापित करने का माध्यम न बनाया जाए, बल्कि सभी संस्कृतियों के सम्मान और समान भागीदारी का आधार बनाया जाए।

निस्संदेह, हथियारों की होड़ से दुनिया सुरक्षित नहीं हो सकती और न ही युद्ध किसी सभ्यता को स्थायी विजय दिला सकता है। स्थायी शांति तभी संभव है जब देशों के बीच विश्वास हो, समाजों के बीच सम्मान हो और विचारों के आदान प्रदान के रास्ते खुले हों। नई दिल्ली में आयोजित एससीओ का पहला सभ्यतागत संवाद मंच इसी उम्मीद का प्रतीक है। भारत की पहल यदि ठोस सहयोग, सांस्कृतिक साझेदारी और आपसी विश्वास में परिवर्तित होती है तो यह केवल एससीओ ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए शांति का नया रास्ता खोल सकती है। दुनिया को युद्ध की भाषा नहीं, संवाद की संस्कृति चाहिए, क्योंकि मानवता का भविष्य हथियारों की ताकत से नहीं, बल्कि आपसी समझ और सहयोग से सुरक्षित होगा।

बांग्लादेश में राजनीतिक प्रतिशोध और हिंसा से नहीं लौटेगी शांति ,लोकतंत्र की मजबूती के लिए निष्पक्ष न्याय संवाद और विश्वास बहाली जरूरी

कांतिलाल मांडोत

बांग्लादेश एक बार फिर राजनीतिक अस्थिरता और हिंसा के गंभीर दौर से गुजर रहा है। जिस देश ने कुछ समय पहले छात्र आंदोलन और सत्ता परिवर्तन के बाद लोकतांत्रिक व्यवस्था को नई दिशा देने की उम्मीद जगाई थी, वहां एक बार फिर सड़कों पर आगजनी, बम धमाकों, तोड़फोड़ और राजनीतिक टकराव की घटनाएं सामने आ रही हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सुनाई गई मृत्युदंड की सजा की बरसी पर अवामी लीग की ओर से बुलाए गए देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान हिंसा का फैलना बांग्लादेश की राजनीतिक व्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती बन गया है। ढाका सहित 28 जिलों में धमाकों और आगजनी की घटनाओं की खबरें हैं। दो दिनों में चार लोगों की मौत और कई लोगों के घायल होने की सूचनाएं स्थिति की गंभीरता बताती हैं। ढाका में अवामी लीग के नेताओं के घरों पर हमले हुए हैं। पूर्व अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस के चटग्राम स्थित पैतृक घर को भी निशाना बनाए जाने की खबर है। गोपालगंज में हालात अधिक तनावपूर्ण बताए जा रहे हैं। काशियानी में स्थानीय सांसद मोहम्मद सलीमज्जमान मोल्ला के पैतृक घर पर बम फेंके गए। मुकसुदपुर पुलिस स्टेशन और ग्रामीण बैंक की स्थानीय शाखा में तोड़फोड़ तथा आगजनी की घटनाएं हुईं। सरकारी और सार्वजनिक संस्थानों को निशाना बनाना किसी भी राजनीतिक आंदोलन की लोकतांत्रिक मर्यादा के विरुद्ध है। राजनीतिक असहमति का जवाब हिंसा से देना अंततः देश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक एकता और आम नागरिकों की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाता है।

बांग्लादेश में वर्तमान तनाव की जड़ें जुलाई-अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन और उसके बाद हुए सत्ता परिवर्तन में देखी जा सकती हैं। तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा और वह भारत में रह रही हैं। पिछले वर्ष 17 नवंबर को उन्हें अनुपस्थिति में मृत्युदंड सुनाए जाने के बाद राजनीतिक विवाद और गहरा गया। उनके समर्थकों में असंतोष है तो विरोधी पक्ष उनके शासनकाल को लेकर गंभीर सवाल उठाता रहा है। अब उनकी संभावित वापसी की चर्चाओं ने राजनीतिक वातावरण को और संवेदनशील बना दिया है। दूसरी ओर अवामी लीग के समर्थकों का सड़कों पर उतरना और विभिन्न स्थानों पर हिंसक घटनाएं होना बताता है कि सत्ता परिवर्तन के बाद भी राजनीतिक मतभेदों का समाधान नहीं हो पाया है।

किसी भी देश में लंबे समय तक एक ही राजनीतिक व्यवस्था का प्रभाव रहने के बाद सत्ता परिवर्तन होता है तो नई सरकार के सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी राजनीतिक प्रतिशोध से बचते हुए कानून का शासन स्थापित करने की होती है। पुरानी सरकार की गलतियों की जांच होनी चाहिए, लेकिन उसके लिए न्यायिक प्रक्रिया और संविधान का रास्ता अपनाना आवश्यक है। किसी राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं, समर्थकों या उनके परिवारों को सामूहिक रूप से दोषी मानना उचित नहीं है। इसी प्रकार विरोध के नाम पर सरकारी कार्यालयों, बैंकों, पुलिस थानों और निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वालों के प्रति भी कानून को कठोर और निष्पक्ष होना चाहिए। प्रधानमंत्री तारिक रहमान और उनकी सरकार के सामने इस समय सबसे बड़ी परीक्षा यही है कि वह राजनीतिक विरोधियों के प्रति किस प्रकार का व्यवहार अपनाती है। अवामी लीग को फासीवादी ताकत बताने से राजनीतिक विवाद समाप्त नहीं होगा। किसी दल के अतीत और वर्तमान की जवाबदेही तय करना जरूरी है, लेकिन लोकतंत्र में विरोधी विचारों के लिए भी स्थान सुरक्षित रहना चाहिए। सरकार को यह समझना होगा कि मजबूत लोकतंत्र वही होता है जिसमें सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष को भी संवैधानिक अधिकार प्राप्त हों। बांग्लादेश में शांति स्थापित करने के लिए सबसे पहले हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करनी होगी। गोपालगंज सहित सात संवेदनशील जिलों में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश की 96 प्लाटून तैनात करना और ड्रोन तथा शरीर पर लगे कैमरों से निगरानी करना तत्कालीन सुरक्षा उपाय हो सकते हैं। ढाका में 537 से अधिक गिरफ्तारियां भी कानून व्यवस्था बनाए रखने की कार्रवाई का हिस्सा हैं। लेकिन केवल गिरफ्तारियों और सुरक्षा बलों की तैनाती से स्थायी शांति संभव नहीं है। पुलिस को निष्पक्षता से काम करना होगा। किसी निर्दोष नागरिक को राजनीतिक पहचान के आधार पर परेशान नहीं किया जाना चाहिए और हिंसा में शामिल प्रत्येक व्यक्ति के विरुद्ध प्रमाणों के आधार पर कार्रवाई होनी चाहिए।

स्थायी समाधान के लिए सरकार को सभी प्रमुख राजनीतिक दलों, छात्र संगठनों, नागरिक समाज, धार्मिक प्रतिनिधियों और सामाजिक संस्थाओं के साथ संवाद शुरू करना चाहिए। एक राष्ट्रीय संवाद समिति बनाई जा सकती है, जिसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को बराबर अवसर मिले। इस समिति का उद्देश्य राजनीतिक मतभेदों को समाप्त करना, चुनावी प्रक्रिया में विश्वास बढ़ाना और भविष्य में हिंसा रोकने के लिए साझा सहमति तैयार करना होना चाहिए। संवाद का अर्थ अपराधों को माफ करना नहीं, बल्कि विवादों को लोकतांत्रिक तरीके से सुलझाना है। न्याय व्यवस्था की स्वतंत्रता भी शांति बहाली की बुनियादी शर्त है। 2024 के आंदोलन के दौरान हुई हिंसा, मानवाधिकार उल्लंघन और अन्य गंभीर आरोपों की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। जांच में किसी राजनीतिक पक्ष के दबाव की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। पीड़ितों को न्याय, दोषियों को कानून के अनुसार दंड और निर्दोष लोगों को सुरक्षा मिलनी चाहिए। साथ ही धार्मिक अल्पसंख्यकों, महिलाओं, व्यापारियों और सामान्य नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था भी राजनीतिक अस्थिरता का बोझ लंबे समय तक नहीं उठा सकती। उद्योग, व्यापार, बैंकिंग, परिवहन और रोजगार का वातावरण प्रभावित होने से सबसे अधिक नुकसान गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को होता है। निवेशकों का विश्वास कमजोर पड़ता है और युवाओं के सामने रोजगार के अवसर कम होते हैं। इसलिए सरकार को हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य जनजीवन बहाल करने, व्यापारिक प्रतिष्ठानों को सुरक्षा देने और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

बांग्लादेश का भविष्य किसी एक राजनीतिक परिवार, दल या नेता के हाथों में सीमित नहीं होना चाहिए। शेख हसीना हों, तारिक रहमान हों या अन्य राजनीतिक नेतृत्व, सभी को देशहित और संवैधानिक मर्यादाओं को सर्वोपरि रखना होगा। भारत सहित पड़ोसी देशों के साथ भी बांग्लादेश के संबंध स्थिर और सहयोगपूर्ण बने रहना आवश्यक है। इतिहास बताता है कि हिंसा से सत्ता बदली जा सकती है, लेकिन समाज में विश्वास पैदा नहीं किया जा सकता। बांग्लादेश को अब बदले की राजनीति से बाहर निकलकर न्याय, सहिष्णुता और लोकतांत्रिक सहमति का रास्ता अपनाना होगा। सरकार की सफलता का मूल्यांकन इस आधार पर नहीं होगा कि उसने कितने विरोधियों को गिरफ्तार किया, बल्कि इस आधार पर होगा कि उसने नागरिकों को कितना सुरक्षित वातावरण दिया और राजनीतिक विरोध को शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बदलने के लिए कितनी गंभीरता दिखाई। स्थायी शांति तभी आएगी जब कानून सबके लिए समान होगा, न्याय निष्पक्ष होगा और सत्ता से लेकर विपक्ष तक हर पक्ष हिंसा का रास्ता छोड़कर संवाद को प्राथमिकता देगा।

'नशा मुक्त हरियाणा' अभियान को मिल रही है नई गति: नायब सिंह सैनी

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'हरियाणा उदय' कार्यक्रम के तहत सिरसा जिले के कालांवाली में आयोजित भव्य 'नशा मुक्त हरियाणा' मैराथन के 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 21 किलोमीटर की दौड़ के विजेताओं को सम्मानित किया और युवाओं को खेलों व शिक्षा की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य 'नशा मुक्त हरियाणा' बनाना है। उन्होंने नशा तस्करों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि किसी को भी हमारी युवा पीढ़ी को नशे के दलदल में धकेलने का अधिकार नहीं है। ऐसे असामाजिक तत्व या तो नशे का कारोबार छोड़ दें या हरियाणा छोड़ दें, अन्यथा सरकार उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि सरकार की सख्त नीतियों के तहत अब तक नशा कारोबारियों की लगभग 94 करोड़ रुपए की संपत्ति सीज की जा चुकी है। *नशा मुक्ति केंद्रों और



स्वयं सहायता समूहों की सराहना* मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों, सिविल अस्पतालों और नशा मुक्ति केंद्रों के माध्यम से लाखों युवाओं को नशे के चंगुल से बाहर निकालकर मुख्यधारा में जोड़ा गया है। उन्होंने माताओं और बहनों की सराहना करते हुए कहा कि वे स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर अपने परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही हैं। इस दौरान स्थानीय महिलाओं द्वारा मुख्यमंत्री को दही खिलाने पर उन्होंने इसे 'दूध-दही का खाना' की गौरवशाली हरियाणवी परंपरा से जोड़ते हुए युवाओं से नशे की जगह पौष्टिक आहार अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों को समय दें और यदि कोई बच्चा गलत संगत में पड़ जाए तो उससे दूरी बनाने के बजाय मित्र बनकर उसे नशे की आदत से बाहर निकालें।

सिरसा के किन्नू को जीआई टैग और किसानों को बधाई

कृषि क्षेत्र का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने सिरसा के किन्नू को जीआई टैग मिलने पर किसानों को बधाई दी और बताया कि किन्नू प्रोसेसिंग प्लांट पर भी तेजी से काम चल रहा है। साथ ही, इस बार हुई बंपर फसल और अच्छे भाव मिलने पर किसानों ने भी हरियाणा सरकार का धन्यवाद व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी द्वारा दिखाए गए सब्जबाग चुटकुलों में तब्दील हो गए हैं और 5 साल चुटकुले ही चलते रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में नशे को रोकने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया और वहां भय का ऐसा वातावरण है कि यदि कोई मां या व्यक्ति शिकायत करने जाता है तो शिकायत लिखने के बजाय उसी के खिलाफ पर्चा दर्ज हो जाता है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने लिस्ट इसलिए जल्दी जारी की ताकि उनके प्रत्याशी इधर-उधर न हो जाएं या भाग न जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के किसान, युवा, बहनें, व्यापारी और इंडस्ट्री में कमी नहीं है, बल्कि कमी पंजाब सरकार की राजनीतिक इच्छाशक्ति और नीयत में है। उन्होंने विश्वास जताया कि पंजाब के लोग चुटकलों, भ्रष्टाचार, नशा फैलाने और झूठे वादे करने वाली सरकार को बाहर का रास्ता दिखाएंगे। लोगों के सहयोग से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने में हरियाणा प्रमुख भूमिका निभाएगा और 'ग्रोथ इंजन' के रूप में काम करेगा, तथा पंजाब में भी डबल इंजन की सरकार बनेगी।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने पूर्व मंत्री फूलचंद मुलाना व पूर्व विधायक सतविन्द्र राणा को श्रद्धांजलि दी

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने पूर्व मंत्री फूलचंद मुलाना एवं पूर्व विधायक सतविन्द्र राणा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। रविवार को उन्होंने अंबाला और राजौंद पहुंचकर दोनों दिवंगत नेताओं के परिजनों से मुलाकात की तथा अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। विस अध्यक्ष ने कहा कि फूलचंद मुलाना और सतविन्द्र राणा का निधन प्रदेश के सार्वजनिक जीवन के लिए दुखद क्षति है। दोनों नेताओं ने अपने जीवन में जनसेवा और सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से उनके परिवारों, शुभचिंतकों और क्षेत्र के लोगों को गहरा आघात पहुंचा है। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने



शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में वे परिवारों के साथ खड़े हैं। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और परमात्मा से परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

हरियाणा में 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान तेज, कांग्रेस ने गांव-गांव चौपाल और संगठन मजबूत करने की बनाई रणनीति

अनप्लग इंडिया

कुरुक्षेत्र। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी , कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा एवं संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत रविवार को *भिवानी जिले की लोहारू विधानसभा के बिधवान गांव में चौपाल एवं संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। लोहारू के विधायक राजबीर फरटिया की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम में हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त का मार्गदर्शन रहा तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने अध्यक्षता की।* कार्यक्रम में आगामी संगठनात्मक गतिविधियों एवं जनआंदोलनों को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। *चौपाल कार्यक्रम के उपरांत हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने भिवानी, जींद और कुरुक्षेत्र जिलों की जिला कांग्रेस कमेटियों की संगठनात्मक बैठकें लीं। इन बैठकों में तीनों जिलों के प्रमुख नेताओं, पदाधिकारियों एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों ने भाग लिया। इस दौरान 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर पंचकूला से शुरू होने वाले 'संविधान रक्षा मार्च', 'वोट रक्षक अभियान' के शुभारंभ तथा प्रदेशभर में गांव-गांव आयोजित की जा रही 'वोट बचाओ-देश बचाओ' चौपालों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विस्तृत चर्चा हुई।* *हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त ने कहा* कि 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र, संविधान और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा का व्यापक जनअभियान है। कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व इन महत्वपूर्ण सवालों को पूरी मजबूती से उठा रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार यह गंभीर सवाल उठा रही है कि भाजपा चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था का कथित तौर पर दुरुपयोग क्यों और कैसे कर रही है। निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता, स्वतंत्रता और विश्वसनीयता लोकतंत्र की बुनियाद है। यदि मतदाता सूचियों में मनमाने तरीके से नाम जोड़ने या हटाने, मतदाताओं को उनके अधिकार से वंचित करने अथवा चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने की आशंकाएं सामने आती हैं, तो उनकी निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र जांच होना अनिवार्य है।

दत्त ने कहा कि 'वोट चोरी' का सवाल केवल किसी एक चुनाव या राजनीतिक दल तक सीमित नहीं है। यह देश के प्रत्येक नागरिक के उस लोकतांत्रिक अधिकार से जुड़ा है, जिसके आधार पर वह अपनी सरकार चुनता है। मतदाता सूची में किसी भी पात्र नागरिक का नाम नहीं छूटना चाहिए और किसी अपात्र व्यक्ति का नाम शामिल नहीं होना चाहिए। निर्वाचन आयोग को राजनीतिक दबाव से मुक्त रहकर संविधान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप काम करना चाहिए। चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता सुनिश्चित करना उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने आगे कहा कि हरियाणा में भी पार्टी संगठन की जिम्मेदारी है कि इस अभियान को गांव-गांव, घर-घर और प्रत्येक बूथ तक पहुंचाया जाए। 'वोट रक्षक अभियान' के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ता मतदाता सूचियों की बारीकी से जांच करेंगे, पात्र मतदाताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करेंगे तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आने पर नियमानुसार शिकायत एवं सुधार की प्रक्रिया में उनकी सहायता करेंगे। उन्होंने सभी जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों से आह्वान किया कि वे पूरी संगठनात्मक ऊर्जा, समर्पण और सक्रियता के साथ इस अभियान में जुटें तथा प्रत्येक कार्यक्रम को व्यापक जनभागीदारी का माध्यम बनाएं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि संविधान ने प्रत्येक नागरिक को समान मताधिकार देकर लोकतंत्र की असली ताकत जनता के हाथों में सौंपी है। इस अधिकार की रक्षा करना कांग्रेस की ऐतिहासिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर को पंचकूला से शुरू होने वाला 'संविधान रक्षा मार्च' संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक अधिकारों और निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था की रक्षा के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता का प्रतीक होगा। 'वोट रक्षक अभियान' के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ता मतदाता सूचियों की जांच, मतदाताओं को जागरूक करने और उनके मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में आयोजित की जा रही 'वोट बचाओ-देश बचाओ' चौपालों के माध्यम से कांग्रेस समाज के हर वर्ग तक पहुंच रही है। आज किसान, मजदूर, युवा, महिलाएं, व्यापारी, कर्मचारी और आम नागरिक भाजपा सरकार से खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। चुनावों के दौरान किए गए वादों को पूरा करने में विफलता, लगातार बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने आम जनता की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इन चौपालों के माध्यम से कांग्रेस जनता की आवाज सुन रही है, उनके मुद्दों को उठा रही है और उन्हें लोकतंत्र तथा अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट कर रही है। राव नरेंद्र सिंह ने सभी जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों तथा पार्टी पदाधिकारियों से इन कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटने और चौपालों के माध्यम से कांग्रेस की विचारधारा एवं जनहित के मुद्दों को प्रत्येक गांव और समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का आह्वान किया। लोहारू के विधायक राजबीर फरटिया ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब प्रत्येक नागरिक के मताधिकार का सम्मान और संरक्षण हो।

तिरुपति धाम में भक्ति और श्रद्धा के साथ मनाया अन्नकूट व 56 भोग महोत्सव

अनप्लग इंडिया

हिसार : भक्ति, श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में श्री तिरुपति बालाजी धाम में अन्नकूट व 56 भोग महोत्सव धूमधाम से आयोजित किया गया। इस धार्मिक आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। पूरा धाम भगवान के जयघोष और भक्तिभाव से सराबोर नजर आया। महोत्सव के



दौरान अर्चकों ने पूरे विधि-विधान से पूजा व अर्चना करते हुए भगवान को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को मिठाइयां व विभिन्न प्रकार के सात्विक व्यंजनों का प्रसाद वितरित किया गया। अन्नकूट व 56 भोग महोत्सव भगवान वेंकटेश की अनुकंपा एवं परम पद प्राप्त जगद्गुरु त्रिदंडी जीयर स्वामी जी महाराज के आशीर्वाद और अनंत श्री विभूषित सर्वश्री नारायणाचार्य जी महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस महोत्सव के लिए तिरुपति धाम को हरे-भरे गन्नों व लडियों से विशेष रूप से सजाया गया। इस दौरान तिरुपति धाम में 71 फुट ऊंचे नक्काशीयुक्त गोपुरम की आभा देखने लायक रही। श्रद्धालुओं ने तिरुपति धाम में विभिन्न मंदिरों के दर्शन करके परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की। अन्नकूट महोत्सव भारतीय धार्मिक परंपरा में विशेष महत्व रखता है। यह पर्व भगवान के प्रति कृतज्ञता, समर्पण और सेवा भावना का प्रतीक माना जाता है। 56 भोग के माध्यम से भगवान के प्रति भक्तों की अगाध श्रद्धा और भक्ति प्रकट होती है।

अग्रोहा रोड पर टोल प्लाजा के पास स्थापित तिरुपति धाम में महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं ने धाम में स्थापित वेंकटेश भगवान, पद्मावती माता, गोदांबा माता, गरुड़, लक्ष्मी नृसिंह, सुदर्शन, रामानुज स्वामी, शठकोप स्वामी, वरवर मुनि एवं हनुमान के मंदिरों में दर्शन करके आराधना की एवं मन्नत मांगी। उत्तर भारतीय व दक्षिण भारतीय संस्कृति में सामंजस्य स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले तिरुपति धाम में स्थापित 42 फुट ऊंचे सोने के श्री गरुड़ स्तंभ, बलिपीठम्, श्री तिरुपति यज्ञशाला एवं श्रीनिवास गोशाला देखकर भी भक्तगण अभिभूत हो गए।

कृतज्ञता जताने का संदेश देता अन्नकूट

तिरुपति धाम में अन्नकूट महोत्सव भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाकर इंद्र के क्रोध से ब्रजवासियों की रक्षा करने की याद में मनाया गया। अन्नकूट का अर्थ है अन्न का पर्वत। इस दिन भगवान को विविध पकवान, मिठाइयां, फल, अनाज और 56 भोग अर्पित कर प्रसाद बांटा जाता है। यह पर्व नए अनाज, प्रकृति, गोधन और पर्यावरण के प्रति कृतज्ञता जताने तथा प्राप्त अन्न को सबके साथ मिलकर ग्रहण करने का संदेश देता है।

गुरुग्राम में रिश्वत लेते पुलिस सब इंस्पेक्टर रंगे हाथ गिरफ्तार, शिकायत निपटाने के लिए मांगे थे 2 लाख रुपये

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसवी एंड एसीबी) ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए गुरुग्राम के थाना शिवाजी नगर में तैनात सब इंस्पेक्टर नरपाल सिंह, अतिरिक्त एसएचओ को 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिस अधिकारी के खिलाफ एफआईआर नंबर 50, दिनांक 22 नवंबर 2026 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 308 के तहत थाना एसवी एंड एसीबी, गुरुग्राम में मामला दर्ज किया गया है। -*शिकायत का निपटारा करने के नाम पर मांगी थी 2 लाख रुपये की रिश्वत* प्राप्त जानकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल के जिला उत्तर दिनाजपुर निवासी शिकायतकर्ता वर्तमान में गुरुग्राम की ईएमएएआर प्लम हिल्स सोसायटी में किराये पर रह रहे हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, भूपेंद्र नामक व्यक्ति द्वारा उनके खिलाफ थाना शिवाजी नगर, गुरुग्राम में शिकायत दी गई थी। उक्त शिकायत का निपटारा करने तथा उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज न करने की एवज में आरोपी सब इंस्पेक्टर नरपाल सिंह ने उनसे 2 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। बातचीत के बाद रिश्वत की राशि 60 हजार रुपये तय हुई।

30 हजार रुपये की पहली किस्त लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार

शिकायत के आधार पर एसवी एंड एसीबी गुरुग्राम की टीम ने जाल बिछाया। कार्रवाई के दौरान आरोपी सब इंस्पेक्टर नरपाल सिंह को शिकायतकर्ता से रिश्वत की 30 हजार रुपये की पहली किस्त लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। इस कार्रवाई में ट्रैप का नेतृत्व एसवी एंड एसीबी गुरुग्राम यूनिट के प्रभारी इंस्पेक्टर जयपाल सिंह ने किया, जबकि राजपत्रित अधिकारी के रूप में धर्मेंद्र कुमार, एसडीओ, डीएचबीएनवीएल, गुरुग्राम उपस्थित रहे। ट्रैप की पूरी कार्रवाई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 105 के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए की गई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा मामले में आगामी जांच जारी है।

भ्रष्टाचार की शिकायत के लिए हेल्पलाइन और 'सतर्क हरियाणा' ऐप

हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी किसी कार्य के बदले रिश्वत की मांग करता है, तो इसकी शिकायत तुरंत ब्यूरो को दें। नागरिक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1064 अथवा 1800-180-2022 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, व्हाट्सऐप नंबर 94178-91064 पर भी शिकायत भेजी जा सकती है। नागरिक 'सतर्क हरियाणा' मोबाइल ऐप के माध्यम से भी भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

उत्तराखंड में बदलाव चाहती है जनता, कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह और जोश : कुमारी सैलजा

अनप्लग इंडिया

सिरसा। सिरसा की सांसद, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा ने कहा कि उत्तराखंड की जनता बदलाव चाहती है और प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में सकारात्मक माहौल बन रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह और जोश है तथा वे आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरी मेहनत के साथ जुटने के लिए तत्पर हैं। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जनता से मिल रहे समर्थन और कार्यकर्ताओं की सक्रियता से स्पष्ट है कि लोग प्रदेश में राजनीतिक परिवर्तन की अपेक्षा कर रहे हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि उत्तराखंड के दूरदराज के क्षेत्रों में भी लोगों के बीच बदलाव की भावना दिखाई दे रही है। विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं में प्रदेश के भविष्य को लेकर नई उम्मीदें हैं। कांग्रेस पार्टी जनता की अपेक्षाओं, समस्याओं और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए अपनी चुनावी तैयारियों को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि प्रदेश की जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप विकास और जनकल्याण की नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करना है। कुमारी सैलजा ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय किया जा रहा है। कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में जनता से सीधा संपर्क स्थापित करेंगे, जबकि वरिष्ठ नेता पार्टी की निर्धारित रणनीति और संगठनात्मक कार्यक्रमों के अनुसार पूरे प्रदेश में जिम्मेदारियां निभाएंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की एकजुटता और जनता के साथ निरंतर संवाद कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है।



उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं और कांग्रेस के नेता तथा कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से मेहनत कर रहे हैं। आने वाले दिनों में संगठनात्मक गतिविधियों को और गति दी जाएगी। प्रदेश की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने के साथ-साथ कांग्रेस की नीतियों और कार्यक्रमों को प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र तथा गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा। कुमारी सैलजा ने विश्वास व्यक्त किया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत, संगठन की एकजुटता और जनता के साथ मजबूत संबंध आगामी विधानसभा चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कांग्रेस का लक्ष्य जनता का विश्वास हासिल कर उत्तराखंड में जनहित के प्रति जवाबदेह सरकार का गठन करना है।

उत्तराखंड में कांग्रेस की चुनावी रणनीति पर मंथन, जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने का निर्णय

वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक में संगठन की मजबूती, जनसंपर्क अभियान और कांग्रेस की नीतियों को घर-घर पहुंचाने पर चर्चा : सैलजा

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं उत्तराखंड प्रभारी कुमारी सैलजा ने रविवार को उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति और संगठनात्मक कार्यक्रमों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। बैठक में पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने और जनता से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने पर विशेष जोर दिया गया। कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस की नीति जनता के हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को प्राथमिकता देने की रही है। इसी सोच के अनुरूप उत्तराखंड में पार्टी अपने कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएगी। प्रदेश के युवाओं, महिलाओं, किसानों, कर्मचारियों और आम नागरिकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

विद्यालय में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व



अनप्लग इंडिया

करनाल। सनातन धर्म मारुति नंदन विद्यालय के प्रांगण में आज श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने भजन-कीर्तन एवं शब्द गायन के माध्यम से गुरु नानक देव जी की पावन वाणी का गुणगान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के पांच विद्यार्थी पांच प्यारों के स्वरूप में मंच पर विराजमान रहे, जिन्होंने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर विद्यालय समिति के गणमान्य सदस्य भी उपस्थित रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्य रेखा चौहान ने सभी विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों को गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने गुरु नानक देव जी के जीवन से जुड़े अनेक प्रेरणादायक प्रसंग सुनाते हुए उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने मानवता, प्रेम, समानता, सेवा और भाईचारे का संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य करती हैं। हमें उनके बताए मार्ग पर चलते हुए समाज में सद्भावना, एकता और सेवा भाव को बढ़ावा देना चाहिए। कार्यक्रम का समापन श्रद्धा एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज के विचार सामाजिक एकता की आधारशिला, समरसता संकल्प यात्रा बनेगी ऐतिहासिक जनआंदोलन : कृष्ण लाल पंवार

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज ने सदियों पहले सामाजिक समानता, मानवीय गरिमा और आपसी भाईचारे का जो संदेश दिया था, वह आज भी समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य कर रहा है। उनके विचार किसी एक जाति, वर्ग या समुदाय तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज के 650वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में निकाली जा रही देशव्यापी समरसता संकल्प यात्रा सामाजिक एकता, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने का ऐतिहासिक जनअभियान बनेगी। कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार रविवार को गुरुग्राम में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत की महान संत परंपरा ने सदैव समाज को जोड़ने, कुरीतियों को दूर करने और मानवता को सर्वोपरि रखने का संदेश दिया है। सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज ने ऐसे आदर्श समाज की परिकल्पना की थी, जिसमें ऊंच-नीच, छुआछूत और जातिगत भेदभाव के लिए कोई स्थान न हो। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति को समान सम्मान और अधिकार देने तथा समाज में प्रेम और भाईचारे की भावना विकसित करने की प्रेरणा दी।

श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि संत-महापुरुष किसी एक समाज की व्यक्तिगत विरासत नहीं होते। उनके विचार और शिक्षाएं पूरे राष्ट्र की साझा धरोहर हैं। उनकी जयंती मनाने का वास्तविक उद्देश्य केवल आयोजन करना नहीं, बल्कि उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेना है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सभी संतों, महापुरुषों और महान समाज सुधारकों को उचित सम्मान देने तथा उनकी विरासत को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने समाज के प्रत्येक वर्ग के सम्मान, उत्थान और कल्याण को अपनी कार्यप्रणाली का आधार बनाया है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का मंत्र इसी समतामूलक सोच को आगे बढ़ाता है।

हरियाणा के सभी 23 जिलों तक पहुंचेगा सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज का संदेश

कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज के 650वें जयंती वर्ष के अवसर पर 18 नवंबर से 3 दिसंबर 2026 तक देशव्यापी समरसता संकल्प यात्रा आयोजित की जा रही है। पंजाब के जालंधर स्थित डेरा सचखंड बल्लां से प्रारंभ हुई यह यात्रा लगभग 2,402 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित क्षेत्रों के करीब 47 शहरों से गुजरेगी तथा वाराणसी स्थित सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर में संपन्न होगी।

उन्होंने बताया कि हरियाणा में यह यात्रा 25, 26 और 28 नवंबर को तीन दिनों तक रहेगी। मुख्य यात्रा यमुनानगर, अंबाला, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, सोनीपत, फरीदाबाद और पलवल सहित आठ जिलों से होकर गुजरेगी। इसके साथ ही गुरुग्राम सहित प्रदेश के शेष 15 जिलों से उपयात्राएं निकाली जाएंगी, जो निर्धारित स्थानों पर मुख्य यात्रा में सम्मिलित होंगी।

श्री पंवार ने कहा कि इस व्यवस्था से यात्रा का संदेश केवल मुख्य मार्ग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हरियाणा के सभी 23 जिलों तक पहुंचेगा। गांव से लेकर शहर तक, युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक और समाज के प्रत्येक वर्ग तक सामाजिक समरसता एवं भाईचारे का संदेश पहुंचाना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

कुरुक्षेत्र में 25 नवंबर को मुख्यमंत्री की विशाल जनसभा, पूरे प्रदेश में उत्साह

कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि 25 नवंबर को यात्रा यमुनानगर से हरियाणा में प्रवेश करेगी और अंबाला होते हुए कुरुक्षेत्र पहुंचेगी। कुरुक्षेत्र के उमरी में माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर पूरे प्रदेश में व्यापक तैयारियां चल रही हैं। संत समाज, विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, रविदासिया समाज सहित अन्य सभी वर्गों, युवाओं और मातृशक्ति में यात्रा को लेकर भारी उत्साह है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उमरी की विशाल जनसभा सामाजिक एकता और जनभागीदारी का अभूतपूर्व उदाहरण प्रस्तुत करेगी। यह आयोजन सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज के प्रति पूरे समाज की श्रद्धा और सम्मान को प्रदर्शित करेगा। यात्रा का रात्रि विश्राम कुरुक्षेत्र में होगा।

उन्होंने बताया कि 26 नवंबर को यात्रा करनाल, पानीपत और सोनीपत से होकर गुजरेगी। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर स्वागत समारोह और सामाजिक समरसता के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सोनीपत के बहालगढ़ में भी जनसभा होगी। इसके बाद यात्रा उत्तर प्रदेश की ओर प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार 28 नवंबर को यात्रा दिल्ली से दोबारा हरियाणा में प्रवेश करेगी। फरीदाबाद में एक विशाल जनसभा आयोजित होगी, जिसके उपरांत यात्रा पलवल और होडल होते हुए उत्तर प्रदेश की ओर रवाना होगी। यात्रा के दौरान संत-महापुरुषों को श्रद्धासुमन अर्पित करने, सामाजिक संवाद, स्वच्छता अभियान और समरसता भोज सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सामाजिक समरसता केवल नारा नहीं, भाजपा की वैचारिक प्रतिबद्धता

श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का स्पष्ट संकल्प है कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान मिले, हर वर्ग को समान अवसर प्राप्त हों और विकास का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। सामाजिक समरसता केवल एक नारा नहीं, बल्कि भाजपा की विचारधारा और शासन व्यवस्था का मूल आधार है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों के हितों और कल्याण के लिए कार्य कर रही है। संत-महापुरुषों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर सामाजिक न्याय, सम्मान और समान अवसर की भावना को निरंतर मजबूत किया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज की शिक्षाओं का सबसे बड़ा संदेश यही है कि मनुष्य की पहचान जाति या जन्म से नहीं, बल्कि उसके कर्म, विचार और आचरण से होती है। आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें और समाज में मौजूद हर प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने का सामूहिक संकल्प लें।

उन्होंने कहा कि समरसता संकल्प यात्रा किसी एक जाति या समुदाय का कार्यक्र

संक्षिप्त डायरी

ओडिशा से शुरू हुआ काला कारोबार वाराणसी तक पहुंचा, सात राज्यों तक फैला नेटवर्क

अनप्लग इंडिया

वाराणसी। नकली दवा का कारोबार ओडिशा से शुरू हुआ। सात महीने में ये काला कारोबार सात राज्यों तक फैल गया। इस अंतरराज्यीय नेटवर्क की पहली बड़ी कार्रवाई ओडिशा के दो जिलों में हुई। जिसके बाद परत दर परत राज खुलने लगा। बड़े ब्रांडों की नकली दवाएं तैयार कर पांच राज्यों में खपाने के गिरोह के सरगना अभिषेक सिंह समेत तीन लोगों की गिरफ्तारी एसटीएफ ने की, लेकिन नकली दवाएं लाइसेंसी फर्मों की आड़ में इसे खपाने का खेल सात साल पहले से चल रहा था। तब इसके साझेदार दूसरे थे अब दूसरे हैं। ओडिशा से शुरू हुआ नकली दवाओं का कारोबार देखते-ही-देखते सात राज्यों तक फैल गया। 2023 में ओडिशा की टीम ने इस नेक्सस को उजागर किया। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में तैयार की जा रही नकली दवाएं लाइसेंसी फर्मों की आड़ में ओडिशा के झारसुगुड़ा और बरगढ़ तक पहुंचाई जा रही थीं। इस अंतरराज्यीय नेटवर्क की पहली बड़ी कार्रवाई ओडिशा के इन्हीं दो जिलों में हुई। टीम ने सुनील अग्रवाल और अमित कुमार सरावगी को गिरफ्तार किया। जांच की कड़ियां वाराणसी तक पहुंचीं तो एसटीएफ की वाराणसी इकाई ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर 25 लाख रुपये की नकली दवाएं बरामद कीं। इसी नेटवर्क का एक अहम सिरा गिरोह के सरगना अभिषेक सिंह से जुड़ा जिसे एसटीएफ और ओडिशा की टीम ने साल 2023 में वाराणसी से गिरफ्तार किया था। अभिषेक सिंह समेत पांच अभियुक्तों को ओडिशा की टीम ट्रांजिट रिमांड पर लेकर गई। इसके बाद जमानत लेकर बाहर आए अभिषेक सिंह ने फिर से नेटवर्क को सक्रिय किया। साथ ही साझेदार बदल दिए। उसने नकली दवाओं के कारोबार का साझेदार मोहम्मद हसीन और मोनू कुमार समेत अन्य को बनाया। पंजाब, हरियाणा, यूपी और बिहार में नकली दवाएं सप्लाई करने लगा। अभिषेक सिंह को एसटीएफ ने चितईपुर से 18 नवंबर को गिरफ्तार। जबकि हसीन और मोनू कुमार रजपुरा से पकड़ा। जांच एजेंसियां अब इन ठिकानों और सप्लाई नेटवर्क की कड़ियां जोड़ रही हैं। भूसे के पाउडर से बना रहे थे दवाएं, कच्चे माल के स्रोत की जांच शुरू, मामले में अब तक दो गिरफ्तारी हिमाचल प्रदेश लाइसेंसी फर्मों से ओडिशा पहुंचाते थे नकली दवाएं इससे पहले ओडिशा में नकली दवाओं की सप्लाई के मामले में एसटीएफ की वाराणसी इकाई ने केदारघाट और टड़िया चकबीही क्षेत्र से अभिषेक सिंह समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस की चार्जशीट तब इनके पास से 25 लाख की नकली दवाएं, फर्जी बिल, पांच मोबाइल और एक लैपटॉप बरामद होना दिखाया गया। दो मार्च को सिगरा क्षेत्र से साढ़े सात करोड़ रुपये की नकली दवाएं बरामद की गई थीं। वाराणसी एसटीएफ ने अभिषेक सिंह समेत दो को केदारघाट से पकड़ा। पूछताछ के बाद अन्य तीन की गिरफ्तारी हुई थी। माचल प्रदेश से नकली दवाएं मंगवाकर लाइसेंसी फर्मों के जरिये ओडिशा भेजी जाती थीं जो बरगढ़ के अशोक मेडिकल हॉल और झारसुगुड़ा के अमित मेडिकल एजेंसी तक पहुंचती थीं। 2023 की गिरफ्तारी अहम कड़ी है। एसटीएफ यह पता लगाने में जुटी है कि बद्दी की फैक्टरी से तैयार नकली दवाएं किन-किन राज्यों और जिलों में भेजी गईं, इस कारोबार में और कौन लोग शामिल हैं और गिरोह ने दोबारा किस तरह अपना नेटवर्क खड़ा किया।

ट्रैक पर मिला महिला का शव, सिर और धड़ अलग मिला, पति पर ट्रेन के आगे धक्का देने का आरोप, परिजन बेहाल

अनप्लग इंडिया

कानपुर आईआईटी क्रॉसिंग के पास रविवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई, जिसका सिर और धड़ अलग-अलग पड़े मिले हैं। मृतका की मां ने पति पर ट्रेन के आगे धक्का देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। कानपुर में आईआईटी क्रॉसिंग के पास रविवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। महिला की मां ने उसके पति पर ट्रेन के आगे धक्का देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटनास्थल पर महिला का सिर और धड़ अलग-अलग पड़े मिले। नानकारी निवासी सिमरन (28) की शादी 11 नवंबर 2019 को अमन कुमार से आर्य समाज सम्मेलन में हुई थी। दोनों ने प्रेम विवाह किया था। सिमरन की मां रमा के मुताबिक, दोनों कक्षा नौ से इंटर तक साथ पढ़े थे। शादी के बाद दोनों की चार साल की बेटी अनुभा हुई। अमन आईआईटी में प्रोजेक्ट कर्मचारी है, जबकि सिमरन आईआईटी परिसर स्थित एक बंगले में घरेलू काम करती थी। छह महीने से सिमरन मायके में रह रही थी सिमरन की मां का आरोप है कि अमन बेटी को घरेलू खर्च नहीं देता था। आए दिन किसी न किसी बात पर उसके साथ मारपीट करता था। इसी से परेशान होकर सिमरन ने नौकरी शुरू की, तो पति उसका विरोध करने लगा। विवाद बढ़ने पर करीब छह महीने से सिमरन मायके में रह रही थी। दो सप्ताह पहले पति की तबीयत खराब होने की जानकारी मिलने पर वह खुद ससुराल चली गई थी। मां के मुताबिक, रविवार सुबह लोगों से जानकारी मिली कि सिमरन और अमन घर से झगड़ते हुए आईआईटी क्रॉसिंग पहुंचे थे। आरोप है कि क्रॉसिंग से करीब 20 मीटर दूर अमन ने सिमरन को ट्रेन के आगे धक्का दे दिया। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। मां और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची जीआरपी अनवरगंज ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रूस में फंसे सोहन से परिजन का टूटा संपर्क, पुलिस बोली- क्या उसे ढूंढने विदेश जाएंगे, मां लगा रही गुहार

अनप्लग इंडिया

कानपुर नौकरी के झांसे में आकर रूस गए कानपुर के पनकी क्षेत्र निवासी सोहन से 18 नवंबर के बाद से परिजनों का पूरी तरह संपर्क टूट गया है और टेलीग्राम पर चार लाख रुपये न देने पर सिर काटने व यूक्रेन युद्ध में भेजने की धमकी मिलने के बाद वह प्लेटफॉर्म भी बंद हो गया है। रूस में फंसे सोहन का अपने परिजन से संपर्क टूट गया है। बीते चार दिनों से उसका मोबाइल फोन बंद जा रहा है। जिस टेलीग्राम पर परिजन को धमकी भरे मैसेज किए जा रहे थे वो भी अब बंद हो गया। मां मोबाइल सिरहाने पर रख कर सोती हैं कि पता नहीं कब फोन की घंटी बजे और दूसरी तरफ से बेटे की आवाज सुनाई दे जाए। परिजन के अनुसार 18 नवंबर से उसका मोबाइल बंद जा रहा है। मां हंसमुखी ने पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ से बेटे को सुरक्षित वापस लाने की गुहार लगाई है। परिजन के मुताबिक, सोहन को 11 अक्तूबर को पनकी निवासी रोमी पाल ने नौकरी का झांसा देकर रूस भेजा था। दिवाली पर बहन खुशबू ने घर लौटने को कहा तो उसने 11 नवंबर को आने की बात कही थी लेकिन चार नवंबर को उसका मोबाइल बंद हो गया। इसके बाद 15 से 17 नवंबर तक टेलीग्राम पर संतोषी नाकामोटो के नाम से संदेश आने लगे। इसमें चार लाख रुपये रकम न देने पर सोहन का सिर काटने और उसे यूक्रेन युद्ध में भेजने की धमकी दी गई। बड़े भाई रामजीत पाल के मुताबिक, आखिरी चैट में चार हजार डॉलर कीमत का सामान गायब होने की बात कही गई थी। संदेश में साफ लिखा था कि जब तक सामान की पूरी कीमत नहीं चुकाई जाएगी, सोहन का पता नहीं बताया जाएगा। परिजन ने रूस भेजने वाले रोमी पाल के साथ एक पुलिसकर्मी और जैद खान नाम के युवक पर भी संदेह जताया है। मामले में दूतावास से किया जा रहा है संपर्क पुलिस ने रोमी पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्जकर उससे पूछताछ की लेकिन कोई खास जानकारी नहीं मिली। डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि मामले में दूतावास से संपर्क किया जा रहा है। परिजन ने जिस पुलिसकर्मी पर संदेह जताया है वह फजलगंज थाने में तैनात है। उसका कहना है कि वह केवल रोमी के यहां बाइक की सर्विस कराता था। सोहन को रूस भेजने के मामले में उसे कोई जानकारी नहीं है। सोहन का मोबाइल बंद होने के बाद परिवार घबराकर सबसे पहले रतनपुर चौकी और फिर पनकी थाने पहुंचा। परिजन का आरोप है कि वहां उन्हें यह कहकर टाल दिया गया कि क्या उसे ढूंढने विदेश जाएंगे, दूतावास में संपर्क करो। परिवार ने 19 नवंबर को सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किया जिसके बाद पुलिस अधिकारियों ने संपर्क किया। परिजन के मुताबिक, चार-पांच साल पहले सोहन दुबई में नौकरी करने जाना चाहता था। परिवार ने घर के सबसे छोटे और चहेते बेटे को अपने पास रखने के लिए रतनपुर में ही बाइक सर्विस का गैराज खुलवा दिया। इसके बाद भी विदेश जाने की इच्छा उसके मन से नहीं गई।

दवाओं की खरीद में अनियमितता पर हाईकोर्ट सख्त, 10 दिन में मांगी जांच रिपोर्ट; गठन होगी एसआईटी

अनप्लग इंडिया



वाराणसी। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से संबद्ध सर सुंदरलाल अस्पताल में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद में हुई कथित अनियमितताओं के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अत्यंत सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने विश्वविद्यालय प्रशासन को कड़ा निर्देश देते हुए कहा है कि वह 10 दिनों के भीतर इस पूरे मामले की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करे। कोर्ट ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर रिपोर्ट दाखिल नहीं की जाती है, तो बीएचयू के कुलपति या रजिस्ट्रार को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से अदालत में हाजिर होना पड़ेगा। न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने अमित कुमार मिश्र और दो अन्य लोगों की ओर से दाखिल की गई जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए यह महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। कोर्ट ने कुलपति और रजिस्ट्रार को निर्देश दिया है कि वे मामले की जांच के लिए गठित समितियों की रिपोर्ट और उस पर अब तक की गई कार्रवाई का पूरा ब्योरा एक विस्तृत शपथपत्र (हलफनामे) के साथ कोर्ट के समक्ष रखें। इसके अतिरिक्त, अदालत ने इस प्रकरण में राज्य सरकार को भी अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 11 दिसंबर की तारीख तय की गई है। याचिका में लगाए गए हैं गंभीर आरोप दाखिल की गई जनहित याचिका में बीएचयू अस्पताल में दवाओं और सर्जिकल सामग्री की खरीद प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर वित्तीय और प्रशासनिक गड़बड़ी किए जाने का आरोप लगाया गया है। याचिकाकताओं का दावा है कि खरीद प्रक्रिया में निर्धारित नियमों को ताक पर रखते हुए बिना टेंडर जारी किए ही सामान खरीदा गया। इसके साथ ही, बाजार मूल्य से कहीं अधिक बढ़ी हुई कीमतों पर खरीद दिखाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया। याचिका में यह भी गंभीर आरोप लगाया गया है कि अस्पताल में मरीजों के इलाज के लिए घटिया स्तर की चिकित्सा सामग्री खरीदी गई, जो सीधे तौर पर मरीजों की जान से खिलवाड़ है। याचिकाकताओं ने पूरे घोटाले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन का निर्देश दिए जाने की मांग की है। जांच रिपोर्ट दबाने का दावा सुनवाई के दौरान याचियों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा गठित आंतरिक जांच समितियों ने अगस्त और सितंबर 2026 में ही अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। इन रिपोर्टों में खरीद प्रक्रिया के दौरान हुई गंभीर अनियमितताओं का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। अधिवक्ता ने दलील दी कि ठोस सबूत और जांच रिपोर्ट सामने होने के बावजूद कुलपति की ओर से दोषियों के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इतना ही नहीं, पारदर्शिता बरतने के बजाय इन जांच रिपोर्टों को सार्वजनिक भी नहीं किया गया और मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के कड़े आदेश मामले की गंभीरता और सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका को देखते हुए हाईकोर्ट ने दवाओं और उपकरणों की खरीद से जुड़े सभी दस्तावेजों और रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने का सख्त आदेश दिया है। इन दस्तावेजों में टेंडर से जुड़ी फाइलें, आपूर्ति आदेश, स्टॉक रजिस्टर, बिल और भुगतान वाउचर प्रमुख रूप से शामिल हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि अगली सुनवाई तक इन रिकॉर्डों को न तो नष्ट किया जाएगा और न ही इनमें किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ की जाएगी। यदि रिकॉर्ड में कोई गड़बड़ी पाई गई, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे।

30 रुपये का नेबुलाइजर 500 में, 87 रुपये का सिरप 200 में बेच रहे निजी अस्पताल

अनप्लग इंडिया

वाराणसी। वाराणसी के निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में दवाओं की मनमानी कीमत वसूले जाने और बिना पंजीकृत फार्मासिस्ट के दवा वितरण की शिकायतें सामने आई हैं। पड़ताल में 30 रुपये का नेबुलाइजर 500 रुपये और 87 रुपये का सिरप 200 रुपये में बेचने के मामले मिले। वाराणसी जिले के निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में मरीजों से दवाओं के नाम पर मनमानी कीमत वसूली जा रही है। पड़ताल में सामने आया कि करीब 25 फीसदी निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में दवाओं की एमआरपी और ट्रेड रेट के बीच बड़ा अंतर रखकर बिक्री की जा रही है। 30 रुपये का नेबुलाइजर 500 रुपये में और 87 रुपये का सिरप 200 रुपये में बेचा जा रहा है। दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एमआरपी और ट्रेड रेट को लेकर सौदेबाजी की जा रही है। शनिवार को मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव बनकर पहुंची टीम की पड़ताल में अस्पतालों और नर्सिंग होम की यह स्थिति सामने आई। छोटे कमरों और खिड़कियों से दी जा रहीं दवाएं सबसे अधिक अनियमितताएं महिलाओं की डिलीवरी से जुड़े अस्पतालों में सामने आईं। कई जगहों पर महज पांच बाई पांच फीट के कमरे से दवाओं की बिक्री की जा रही है। कुछ अस्पतालों में कमरे के बाहर बनी खिड़की से ही मरीजों को दवाएं दी जा रही हैं। दवाएं देने वाले कई कर्मचारी फार्मासिस्ट भी नहीं हैं। इससे दवाओं के वितरण की व्यवस्था और मरीजों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और इसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार दवाओं के वितरण के लिए निर्धारित मानकों का पालन जरूरी है। फामेर्सी प्रैक्टिस रेगुलेशंस, 2015 के तहत पंजीकृत फार्मासिस्ट की भूमिका महत्वपूर्ण है। फार्मासिस्ट को डॉक्टर के पर्चे की जांच कर दवाएं देनी होती हैं। इसके लिए सफेद एप्रन और नाम व पंजीकरण संख्या वाला बैज पहनने का भी प्रावधान है। दवा बिक्री के लिए निर्धारित है जगह का मानक दवा की खुदरा बिक्री के लिए न्यूनतम 10 वर्ग मीटर यानी करीब 108 वर्ग फुट कारपेट एरिया का मानक निर्धारित है।

काशी में ठहरना हुआ शाही, गंगा किनारे सुइट 4 लाख, क्रूज पांच लाख तक

अनप्लग इंडिया



वाराणसी। देव दीपावली पर काशी में पर्यटकों की भारी भीड़ के चलते होटल और क्रूज की बुकिंग फुल हो चुकी है। गंगा किनारे हेरिटेज होटल के सुइट का किराया चार लाख और अलकनंदा क्रूज की बुकिंग पांच लाख रुपये तक पहुंच गई है। पर्यटन कारोबार से 500 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई का अनुमान है। देव दीपावली पर काशी में पर्यटकों की भारी भीड़ के चलते होटल, गेस्ट हाउस से लेकर क्रूज और नावों तक की बुकिंग लगभग फुल हो चुकी है। 24 नवंबर को होने वाले दीपोत्सव को देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक पहुंच रहे हैं। गंगा किनारे स्थित हेरिटेज होटलों के प्रीमियम सुइट का एक रात का किराया चार लाख रुपये तक पहुंच गया है। वहीं, लग्जरी क्रूज के विशेष पैकेज साढ़े तीन लाख रुपये तक में बुक हो रहे हैं। पांच लाख रुपये में 60 सीटों वाले अलकनंदा क्रूज की बुकिंग भी हो चुकी है। होटल नहीं मिलने पर पर्यटकों को होम स्टे का सहारा लेना पड़ रहा है, जहां सामान्य कमरे का किराया भी सात से आठ हजार रुपये प्रतिदिन तक पहुंच गया है। होटल और गेस्ट हाउस पूरी तरह फुल देव दीपावली को लेकर काशी के पर्यटन कारोबार में तेजी आई है। शहर के तारांकित होटलों से लेकर बजट होटल, लॉज और धर्मशालाओं तक में कमरे उपलब्ध नहीं हैं। कई महीने पहले ही एडवांस बुकिंग हो जाने के कारण आखिरी समय में आने वाले पर्यटकों को ठहरने के लिए विकल्प तलाशने पड़ रहे हैं। गंगा घाटों का सीधा नजारा दिखाने वाले हेरिटेज और लग्जरी होटलों की मांग सबसे अधिक है। इन होटलों के प्रीमियम सुइट का किराया एक रात के लिए चार लाख रुपये तक पहुंच गया है। पर्यटक बालकनी से गंगा आरती और दीपों की जगमगाहट देखने के लिए इतनी बड़ी रकम खर्च कर रहे हैं। होटल में जगह नहीं मिलने के कारण पर्यटक होम स्टे और पेइंग गेस्ट की ओर रुख कर रहे हैं। सामान्य सुविधाओं वाले होम स्टे भी सात से आठ हजार रुपये प्रतिदिन की दर से बुक हो रहे हैं। होटलों के साथ गंगा में क्रूज और नावों पर सवार होकर दीपोत्सव देखने के लिए भी पर्यटक बड़ी रकम खर्च कर रहे हैं। प्रमुख क्रूज की बुकिंग पहले ही पूरी हो चुकी है। लग्जरी क्रूज के विशेष पैकेज साढ़े तीन लाख रुपये तक पहुंच गए हैं। 60 सीटों वाले अलकनंदा क्रूज को एक विदेशी समूह ने पांच लाख रुपये में बुक किया है। वहीं, 100 सीटों वाले सैम मानिकशॉ क्रूज की बुकिंग 15 हजार रुपये प्रति यात्री की दर से हुई है। इस तरह पूरे क्रूज की बुकिंग करीब 15 लाख रुपये में हुई। क्रूज का सफर शाम 5:30 बजे से रात 9:30 बजे तक यानी अधिकतम चार घंटे का होगा। पर्यटकों की बढ़ती संख्या से पर्यटन क्षेत्र के कारोबारियों को काफी उम्मीदें हैं। नावों की क्षमता से आधी सवारी बैठाने के निर्देश देव दीपावली पर गंगा में नावों और बजड़ों की मांग भी बढ़ गई है। पर्यटकों की सुरक्षा को देखते हुए नाविकों को नाव की निर्धारित क्षमता से आधी सवारी ही बैठाने के निर्देश दिए गए हैं। होटल और प्रमुख क्रूज की बुकिंग पूरी होने के बाद अब पर्यटकों के सामने बजड़े और अन्य नावों का विकल्प बचा है।

अलीगढ़ में हल्दी-मेहंदी, मढ़ौली में गूंजे मंगल गीत

अनप्लग इंडिया

अलीगढ़ यूपी के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह और उनके भाई सौरभ सिंह की शादी की रस्में शुरू हो गई हैं। 25 नवंबर तक राज पैलेस में गीतों का दौर चलेगा। 26 नवंबर को दिल्ली में शादी और 27 नवंबर को रिसेप्शन होगा। यूपी बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह और उनके छोटे भाई सौरभ सिंह की शादी की तैयारियों के क्रम में पैतृक गांव मढ़ौली में शनिवार शाम से मंगल गीतों की शुरूआत हो गई। दिन में अलीगढ़ में हल्दी और मेहंदी की रस्म होने के बाद शनिवार शाम छह बजे से रात नौ बजे तक गांव मढ़ौली में शादी के पारंपरिक गीत गाकर पांच दिवसीय गीतों के शुरूआत हो गई। महिलाओं ने लोक नृत्य कर खुशियां मनाईं। कार्यक्रम की शुरूआत मंत्री के दादा और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर और दीपक जलाकर की गई। इस दौरान पूरा माहौल भावुक हो गया। गांव के बुजुर्गों ने बाबूजी को याद किया और उनके आशीर्वाद से ही शादी की रस्मों की शुरूआत होने की बात कही। कार्यक्रम में कल्याण सिंह की पत्नी रामवती देवी और पूर्व विधायक प्रेमलता वर्मा की मौजूदगी में महिलाओं ने शादी के गीत गाए और नृत्य किया। महिलाओं ने पारंपरिक लोकगीतों के माध्यम से दूल्हों को बधाई दी और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। गांव में पूजन आदि किया गया और मंगल गीतों के बाद बताशे-लड्डू वितरित कर महिलाओं को शादी की खुशी में उपहार दिए गए। मढ़ौली में गीतपूर्व मंत्री राजवीर सिंह भी गांव के बुजुर्गों के पास काफी देर बैठे और शादी-विवाह में होने वाली विभिन्न पारंपरिक रीति-रिवाजों की बात कर उन्हें निभाने की शुरूआत की। उन्होंने बुजुर्गों से कहा कि शादी में पुरानी मान्यताओं और परंपराओं को पूरी श्रद्धा और विधि-विधान से निभाया जाएगा। पूर्व विधायक प्रेमलता वर्मा ने कहा कि मढ़ौली हमारा गांव है, यहां बाबूजी की तमाम यादें हैं। बाबूजी के पैतृक घर से पांच दिन के गीतों की शुरूआत की गई है। इसके अलावा पूर्वज और दई-देवताओं की पूजा-अर्चना की गई। बाग पर भी पूजन किया गया। उन्होंने कहा कि यह शादी केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र की खुशी है। मढ़ौली से शुरू होकर अगले पांच दिनों यानी 25 नवंबर तक राज पैलेस में मंगल गीतों और पारंपरिक रस्मों का दौर चलेगा, जिसमें गांव की महिलाएं बढ़-चढ़कर भाग लेंगी। 26 नवंबर को दोनों भाईयों की दिल्ली में शादी होगी और 27 नवंबर को रात आठ बजे रिसेप्शन होगा।

पांच जुआरियों को जुआ खेलते हुये दबोचकर 6 हजार रुपये बरामद करने में मिली पुलिस को कामयाबी

हमीरपुर (अनप्लग इंडिया) जरिया पुलिस ने अपराधों की रोकथाम जबकि अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत ग्राम पवई स्थित मेड़े की पुलिया के पास जुआ खेल रहे 5 जुआरियों को दबोचकर 6 हजार 50 रुपये के साथ ही ताश के 52 पत्ते बरामद करने में कामयाबी हासिल की। जरिया थानाध्यक्ष मनोज पाण्डेय ने बताया कि पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ मु0अ0सं0 204/2026 धारा 13 जुआ एक्ट के तहत दर्ज किया गया है। जबकि गिरफ्तार जुआरियों में 28 वर्षीय शिवम सोनी पुत्र लखन, वहीं 30 वर्षीय शिवसिंह पुत्र रामगोपाल, जबकि 32 वर्षीय नरेश कुमार राजपूत पुत्र ठाकुरदास, वहीं 32 वर्षीय महेन्द्र सिंह राजपूत पुत्र हल्के प्रसाद सहित 29 वर्षीय सतीश कुमार अनुरागी पुत्र दयानन्द, निवासी ग्राम पवई, जरिया शामिल हैं। जबकि पकड़े गये जुआंरी



शिवम सोनी के खिलाफ पहले से ही मु0अ0सं0 193/2020 धारा 147/148/149/323/504/506 भा0द0सं0, थाना जरिया। मु0अ0सं0 22/2023 धारा 13 जुआ अधिनियम, थाना जरिया, मु0अ0सं0 133/2025 धारा 115(2)/351(3)/352 बीएनएस, थाना जरिया, मु0अ0सं0 204/2026 धारा 13 जुआ अधिनियम, सहित चार मामले दर्ज हैं, वहीं जुआंरी महेन्द्र सिंह राजपूत के खिलाफ मु0अ0सं0 321/2023 धारा 13 जुआ अधिनियम, जरिया, मु0अ0सं0 146/2025 धारा 13 जुआ अधिनियम, मु0अ0सं0 204/2026 धारा 13 जुआ अधिनियम, थाना जरिया सहित तीन मामले पहले से ही दर्ज हैं। जुआरियों को गिरफ्तार करने वाली टीम में एस आई अवधेश उपाध्याय, कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार सहित कांस्टेबल सूरज कुमार शामिल रहे।

शादी की आतिशबाजी से प्लास्टिक के गोदाम में लगी आग

अनप्लग इंडिया



मुजफ्फरनगर। शहर के कूकड़ा क्षेत्र में सदर ब्लॉक कार्यालय के निकट शनिवार सुबह करीब छह बजे प्लास्टिक के बोरों के गोदाम में आग लग गई। आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठती देखकर आसपास क्षेत्र के लोगों में दहशत फैल गई। आग बुझाने के लिए शहर और आसपास के स्टेशनों से भी गाड़ियां बुलानी पड़ी। अग्निशमन विभाग कर्मचारियों ने करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दो करोड़ के नुकसान का अनुमान है। पास ही बैंक्वेट हॉल में चल रहे शादी समारोह में आतिशबाजी से आग लगने की आशंका है। नई मंडी थाना क्षेत्र के सदर ब्लॉक कार्यालय के समीप व्यापारी मनोज खंडेलवाल की बालाजी ट्रेडिंग कंपनी का गोदाम है। यहां प्लास्टिक के बोरे एवं अन्य बारदाना एकत्र कर रखा जाता है। शनिवार सुबह आग देखकर सैकड़ों लोग मौके पर पहुंच गए। पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास की कई दुकानें खाली कराई गईं। आग से गोदाम के बगल में स्थित एक अन्य बैंक्वेट हॉल को भी मामूली नुकसान पहुंचा। गोदाम स्वामी के पुत्र नक्षत्र खंडेलवाल ने बताया कि उनका गेहूं-चावल के बोरे एवं अन्य बारदाना सप्लाई करने का काम है। इसके लिए उन्होंने करीब 3600 वर्ग फीट का एक गोदाम किराए पर लिया हुआ है। बताया कि उनके गोदाम में तीन करोड़ से अधिक का माल स्टॉक था। गोदाम पर स्टॉक कर देश के झारखंड, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों सहित बांग्लादेश तक प्लास्टिक के बोरे सप्लाई किए जाते थे। शनिवार सुबह उन्हें गोदाम पर आग लगने की सूचना मिली। वह पापा और मम्मी के साथ मौके पर पहुंचा और आग बुझाने का प्रयास किया। तब तक अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां भी पहुंच चुकी थी। बताया कि देखते-ही-देखते आग बेकाबू होते चली गई। जिसके बाद अन्य स्टेशनों से भी गाड़ियां बुलाई गईं। एडीएम प्रशासन देश दीपक सिंह ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। बताया कि संभवतः गोदाम के सामने स्थित बैंक्वेट हॉल से विदाई के दौरान की गई आतिशबाजी के कारण आग लगी। विदाई के समय आतिशबाजी से निकली चिंगारी से लगी आग नक्षत्र खंडेलवाल ने बताया कि उनके गोदाम के सामने एक बैंक्वेट हॉल है। जहां एक वैवाहिक समारोह चल रहा था। शनिवार सुबह विदाई के समय बैंक्वेट हॉल से आतिशबाजी की गई। बताया कि आतिशबाजी के दौरान पटाखों की एक पेटी पलट गई। पेटी से निकलने वाले पटाखों की दिशा उनके गोदाम की ओर हो गई। इस कारण आग लगने से उनका काफी नुकसान हुआ। रोते-रोते बिगड़ी कारोबारी की हालत, बुलानी पड़ी एंबुलेंस गोदाम से निकल रही आग की भीषण लपटें देख कारोबारी मनोज खंडेलवाल और उनके पुत्र अक्षय खंडेलवाल बिलख पड़े। मौके पर पहुंचे व्यापारी नेताओं ने उन्हें ढाढ़स बंधाने का प्रयास किया। कारोबारी ने कहा कि उनकी बीस साल की मेहनत आग में जल गई। इसी दौरान अचानक उनकी हालत बिगड़ गई। इसके चलते एंबुलेंस बुलाकर उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। सपा राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा, व्यापारी नेता संजय मिश्रा, सचिन अग्रवाल ने मौके पर पहुंचकर कारोबारी को ढाढ़स बंधाया। दिवाली के कारण बढ़ गया स्टॉक व्यापारी नेता और दि गुड़ खंडसारी एवं ग्रैन मर्चेंट एसोसिएशन अध्यक्ष संजय मित्तल ने कहा कि गोदाम में 40 हजार से अधिक बोरों का स्टॉक किया गया था। दिवाली के दौरान ट्रांसपोर्टेशन बंद रहा जिस कारण गोदाम पर स्टॉक की अधिकता हो गई थी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनुराग सिंह ने बताया कि आग पर काबू पाने में करीब ढाई घंटे का समय लगा। आग बुझाने के लिए स्थानीय सहित बुढ़ाना और जानसठ से गाड़ियां बुलानी पड़ी। बताया कि बिंदल, जीनस और नीलांचल पेपर मिल सहित आग बुझाने के लिए 12 गाड़ियां बुलाई गईं। आग के कारणों की जांच की जा रही है, आशंका है कि गोदाम के सामने स्थित बैंक्वेट हॉल में शादी समारोह के दौरान की गई आतिशबाजी के कारण निकली चिंगारी से गोदाम में आग लगी।



टाइप कास्टिंग तोड़ना हम एक्टर्स के हाथ नहीं

हिंदी सिनेमा में निरूपा राय, रीमा लागू, फरीदा जलाल जैसी अदाकाराओं ने मां की भूमिका को पर्दे पर अमर बनाया है। इसी कड़ी में अब ऐक्ट्रेस आयशा रजा मिश्रा भी बॉलिवुड की चहेती मां बन चुकी हैं। वीरे दी वेडिंग, तू झूठी मैं मक्कार, गुंजन सक्सेना : द कारगिल गर्ल, सोनू की टीटू की स्वीटी जैसी कई चर्चित फिल्मों में मां की यादगार भूमिका निभाने वाली आयशा रजा इन दिनों अपनी फैमिली फिल्म मीठे में क्या है में भी मम्मी अमृता के किरदार के लिए चर्चा में हैं। हालांकि, प्रतिभावान ऐक्ट्रेस होने के बावजूद लगातार मां के रूप में टाइपकास्ट होने पर वह कहती हैं, 'ये टाइप कास्टिंग तोड़ना हम ऐक्टर्स के हाथ में नहीं है। इसके लिए किसी डायरेक्टर को आप पर भरोसा जताकर वो अलग किरदार देना पड़ेगा।'

काम को लेकर नाशुक्रा नहीं होना चाहिए

बकौल आयशा रजा मिश्रा, 'मैं अक्सर मनोज भाई (मनोज पाहवा) का उदाहरण देती हूं, क्योंकि उनको भी बहुत समय तक पंजाबी, कॉमिडी अंकल वाले रोल में टाइपकास्ट किया गया। हम साथ में कई फिल्में करते हैं तो हम यही रोते रहते हैं कि मैं पंजाबी मम्मी, वो पंजाबी पापा। हम आपस में यह बहुत डिस्कस करते हैं। फिर अनुभव सिन्हा जैसे डायरेक्टर फिल्म मुल्क में मनोज पाहवा को ऐसे रोल में लेते हैं कि सारे प्रड्यूसर कहते हैं कि वह बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं। ऑडियंस उन्हें इस रोल में एक्सेप्ट ही नहीं करेगी, क्योंकि लोगों की नजर में वह कमीडियन हैं, मगर अनुभव सिन्हा ने कहा कि मैं जानता हूं कि मनोज कितना कमाल का अभिनेता है और मेरे लिए वह क्या कर सकता है। वही हुआ, लेकिन आपको वह एक डायरेक्टर चाहिए जिसमें वो विजन हो और जो आप पर वह भरोसा जताए।'

स्टेज पर भड़ास निकालेंगे

उन्होंने आगे कहा, 'इसके बावजूद, मैंने अपने पति (ऐक्टर कुमुद मिश्रा) से सीखा है कि आपको कभी भी नाशुक्रा नहीं होना चाहिए। हम कम से कम काम कर रहे हैं, जबकि हमसे कहीं ज्यादा टैलंटेड ऐक्टर्स सिर्फ एक मौके का इंतजार कर रहे हैं। हमें कम से कम इतने मौके मिल रहे है तो उसे सर्वश्रेष्ठ ढंग से निभाइए। उसे एंजॉय कीजिए और उसी में कुछ नया करने की कोशिश कीजिए। बाकी तकदीर अच्छी रही तो अलग रोल भी मिलेंगे और अगर नहीं मिले तो हमारे पास स्टेज है। हम वहां अपनी भड़ास निकालेंगे। मगर हम उस स्थिति में हैं कि हमें काम मिल रहा है, वो भी एक आशीर्वाद है। आप किलसकर, दुखी होकर काम नहीं कर पाएंगे।'

घर की मजबूत औरतों का रहा प्रभाव

आयशा रजा जोहरा सहगल और उजरा बट जैसी दिग्गज अदाकाराओं की नवासी हैं। इन सशक्त महिलाओं का उन पर कितना प्रभाव रहा? यह पूछने पर वह कहती हैं, 'बहुत प्रभाव पड़ा। मेरी नानी और दादी दोनों कामकाजी थीं। मेरी दादी बीबीसी उर्दू सर्विस की दुनिया की पहली महिला न्यूज रीडर थीं। मेरी नानी हाजरा बेगम एक स्वतंत्रता सेनानी थीं। प्रगतिशील लेखक संघ की सदस्या थीं। मेरे घर में कृशन चंदर, कैफी आजमी अक्सर आया करते थे तो मैं वो देखकर बड़ी हुई हूं। मेरी नानी की दो बहनें थीं, जोहरा सहगल और उजरा बट, जो पर्दा करने वाले परिवारों से थीं।'

रूढ़िवादी परिवार से निकलकर रास्ता बनाया

उन्होंने कहा, 'उस रूढ़िवादी परिवार से निकलकर उन्होंने कहा कि हमें डांसर बनना है। हमें ऐक्टिंग करनी है। हम थिएटर करना चाहते हैं। फिर जोहरा ने अपने पिता से कहा कि मुझे एक हिंदू लड़के से शादी करनी है जो मुझसे 8 साल छोटा है। सन 1930 में इस बात के लिए राजी होना बड़ी बात थी। फिर मेरी मां ने अपनी मौसी लोगों को देखकर थिएटर किया, ऐक्टर बनी, तो मेरे लिए तो सारे रास्ते पहले से खुले हुए थे। सच कहूं तो मुझे लगता है कि मैं इतना कुछ नहीं कर पाई हूं क्योंकि उन लोगों ने मेरे लिए सारे दरवाजे रख दिए थे तो मेरे लिए ज्यादा मसला है कि मैं अपने लिए नई चुनौतियां ढूंढूं। अपने को एक्सप्लोर कर पाऊं, तो उनकी ये विरासत मेरे लिए बहुत अहम हैं।'

न्यूजीलैंड पर हार का खतरा मंडराया, भारत से 233 रन पीछे

वेलिंगटन, एजेंसी। भारतीय टीम ने वेलिंगटन टेस्ट के चौथे दिन पूरी तरह अपना दबदबा बनाए रखा। ऋषभ पंत के तूफानी शतक और ध्रुव जुरेल की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने पहली पारी नौ विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित की। इस तरह टीम इंडिया को पहली पारी के आधार पर 352 रन की विशाल बढ़त मिली। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में भी शुरुआत अच्छी नहीं रही। जसप्रीत बुमराह ने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। मेजबान टीम अभी भी भारत से 233 रन पीछे है और उसके सामने टेस्ट मैच बचाने की बड़ी चुनौती है।

पंत ने शतक से बदला मैच का रुख, भारत ने तेजी से बनाए रन

चौथे दिन भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 486 रन से आगे खेलना शुरू किया। क्रीज पर ऋषभ पंत 55 रन बनाकर मौजूद थे, जबकि अंशुल कंबोज को अपना खाता खोलना बाकी था। भारत की नजर बड़ी बढ़त हासिल करने पर थी। पंत ने दिन की शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने अंशुल कंबोज के साथ मिलकर तेजी से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी हुई। अंशुल कंबोज ने 42 गेंदों में 38 रन बनाए। उन्हें ग्लेन फिलिप्स ने डेवोन कॉनवे के हाथों कैच कराया।

इसके बाद पंत को ध्रुव जुरेल का साथ मिला। दोनों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। पंत ने ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर चौका और अगली ही गेंद पर छक्का लगाकर अपने टेस्ट करियर का नौवां शतक पूरा किया। उनके शतक पूरा करते ही भारतीय ड्रेसिंग रूम में जश्न का माहौल बन गया। पंत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।



भारत ने बनाए कई बड़े रिकॉर्ड

भारतीय टीम की 720 रन की पारी सिर्फ बड़ी बढ़त के लिहाज से ही खास नहीं रही, बल्कि इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बने। भारत का यह विदेशी धरती पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इसके अलावा स्थाह देशों यानी दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीय टीम ने अपना सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर बनाया।

इस पारी की एक अऔर बड़ी उपलब्धि शुरुआती सात विकेट के लिए लगातार 50 या उससे ज्यादा रन की साझेदारियां होना रही। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल ने 85, केएल राहुल ने 136, देवदत पडिक्कल ने 80, शुभमन गिल ने 98 और ऋषभ पंत ने 128 रन बनाए। ध्रुव जुरेल ने 78 रन की पारी खेली। अंशुल कंबोज ने 38, वॉशिंगटन सुंदर ने 24 और आकाश दीप ने 13 रन का योगदान दिया।

न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने तीन विकेट लिए। रचिन रवींद्र को दो विकेट मिले, जबकि मैट हेनरी, काइल जेमीसन, जैकब डफी और नाथन स्मिथ ने एक-एक विकेट हासिल किया।

बुमराह ने फिर पहले ओवर में लाथम को किया आउट

352 रन की बड़ी बढ़त मिलने के बाद भारतीय गेंदबाजों के सामने न्यूजीलैंड को दूसरी पारी में जल्द समेटने की चुनौती थी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने जसप्रीत बुमराह को गेंद थमाई और उन्होंने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को अपना शिकार बनाया। बुमराह ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी के शुरुआती ओवर में ही लाथम को ऋषभ पंत के हाथों कैच करा दिया। लाथम दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। खास बात यह रही कि न्यूजीलैंड की पहली पारी में भी बुमराह ने लाथम को पारी के शुरुआती ओवर में ही आउट किया था।इसके बाद डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। हालांकि, प्रसिद्ध कृष्णा ने निकोल्स को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। पहली पारी में 175 रन बनाने वाले निकोल्स दूसरी पारी में 59 गेंदों पर 31 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने तीन चौके लगाए। प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद उनके बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर जांघ से टकराई और शॉर्ट लेग पर खड़े ध्रुव जुरेल ने शानदार कैच लपक लिया।

जुरेल ने भी खेली शानदार पारी, 720 रन पर घोषित की पारी

ऋषभ पंत के आउट होने के बाद ध्रुव जुरेल ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने एक छोर पर टिककर बल्लेबाजी की और अपना तीसरा टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। जुरेल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ भी उपयोगी साझेदारी की। वॉशिंगटन सुंदर ने 24 रन बनाए। उन्हें रचिन रवींद्र ने अपनी ही गेंद पर कैच किया। इसके बाद आकाश दीप ने भी तेज अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने पांच गेंदों में दो छक्कों की मदद से 13 रन बनाए, लेकिन ग्लेन फिलिप्स ने उन्हें टॉम लाथम के हाथों कैच करा दिया। दूसरी ओर जुरेल ने अपनी पारी जारी रखी। उन्होंने 79 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 78 रन बनाए। 720 के स्कोर पर जुरेल का विकेट गिरते ही कप्तान शुभमन गिल ने भारतीय पारी घोषित कर दी। जसप्रीत बुमराह सात रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने नौ विकेट पर 720 रन बनाए और पहली पारी में 352 रन की बढ़त हासिल की।

कॉनवे का अर्धशतक, रचिन के साथ संभाली पारी

दो विकेट गिरने के बाद डेवोन कॉनवे और रचिन रवींद्र ने न्यूजीलैंड की पारी को संभाला। कॉनवे ने संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने टेस्ट करियर का 14वां अर्धशतक लगाया। दिन का खेल समाप्त होने तक कॉनवे 59 रन और रचिन रवींद्र 27 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 59 रन की अटूट साझेदारी हो चुकी है। न्यूजीलैंड ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में 45 ओवर में दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। टीम अभी भी भारत की पहली पारी के स्कोर से 233 रन पीछे है।

पांचवें दिन भारत के सामने पारी से जीत दर्ज करने का मौका

वेलिंगटन टेस्ट का पांचवां दिन बेहद रोमांचक होने वाला है। भारतीय टीम को पारी से जीत दर्ज करने के लिए न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल करने होंगे। वहीं मेजबान टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती पूरे दिन बल्लेबाजी करके मैच बचाने की होगी।

भारत के पास 352 रन की विशाल पहली पारी की बढ़त है। ऐसे में अगर भारतीय गेंदबाज शुरुआती सत्र में विकेट निकालने में कामयाब रहते हैं तो न्यूजीलैंड पर दबाव और बढ़ सकता है। फिलहाल कॉनवे और रचिन की साझेदारी मेजबान टीम की उम्मीदों को जिंदा रखे हुए है। अब देखना दिलचस्प होगा कि पांचवें दिन भारतीय गेंदबाज न्यूजीलैंड की दूसरी पारी को कितनी जल्दी समेट पाते हैं या फिर कीवी बल्लेबाज संघर्ष करते हुए टेस्ट मैच बचाने में सफल होते हैं।

आलोचकों को दिया करारा जवाब

पंत बोले- अब छक्कों का जुनून नहीं, निरंतरता है प्राथमिकता

वेलिंगटन। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि अब उनके करियर का लक्ष्य सिर्फ छक्के लगाना या रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि अपने खेल में निरंतरता बनाए रखना और मैदान पर उतरते ही टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन करना है। पंत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाकर अपनी फिटनेस और फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों का करारा जवाब दिया। पंत ने रविवार को 153 गेंदों पर 128 रन की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने यह भी उपलब्धि हासिल की कि वह स्थाह देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। इसके अलावा वह चारों स्थाह देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज भी हैं।

अब रिकॉर्ड नहीं, निरंतरता पर है ध्यान

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंचने के सवाल पर पंत ने कहा कि बचपन में उन्हें खूब छक्के लगाने और बड़े रिकॉर्ड बनाने का शौक था, लेकिन अब उनकी सोच बदल गई है।

उन्होंने कहा, 'बचपन में निश्चित रूप से मेरे कुछ लक्ष्य हुआ करते थे, जिनमें खूब छक्के लगाना भी शामिल था। लेकिन अब अपने करियर के इस पड़ाव पर मैं इन चीजों के बारे में नहीं सोचता। मैं सिर्फ अपने खेल में निरंतरता लाना चाहता हूं और जहां भी खेलूं, वहां अपना प्रभाव छोड़ना चाहता हूं।'

टेस्ट क्रिकेट में धैर्य और मेहनत जरूरी

भारतीय टीम ने पहली पारी में नौ विकेट पर 720 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पंत ने कहा कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में हर दिन आसान परिस्थितियां नहीं मिलतीं। ऐसे में खिलाड़ियों को धैर्य के साथ लंबे समय तक मैदान पर टिके रहने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि टीम के खिलाड़ी आपस में बातचीत करते हुए छोटे-छोटे पलों का आनंद लेते हैं और हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं। पंत ने भरोसा जताया कि भारतीय टीम पांचवें दिन न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल कर सकती है।



न्यूजीलैंड में पहला टेस्ट शतक लगाना था खास

पंत ने न्यूजीलैंड की धरती पर अपना पहला टेस्ट शतक लगाने को खास उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से यहां शतक लगाने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से एक अच्छी पारी थी। न्यूजीलैंड एक ऐसी जगह थी, जहां मैं शतक लगाना चाहता था। विकेट पर बल्लेबाजी आसान नहीं थी और सभी बल्लेबाज अच्छा खेल रहे थे। ऐसे में मेरा लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा समय तक क्रीज पर टिके रहना और टीम के लिए योगदान देना था।'

छक्के से शतक पूरा करने का रहा है शौक

ऋषभ पंत ने बताया कि वह आमतौर पर छक्का लगाकर शतक पूरा करना पसंद करते हैं, लेकिन इस कोशिश में उन्होंने कई बार अपने शतक भी गंवाए हैं। इस बार उन्होंने धैर्य बनाए रखा और सही मौके का इंतजार किया। पंत ने कहा, 'जब भी मैं शतक के करीब होता हूं, तो कोशिश रहती है कि उसे छक्के से पूरा करूं। हालांकि, इस चक्कर में मैंने कई बार शतक गंवाए भी हैं। इस बार मैं धैर्य रख रहा था। लेकिन जब मिड ऑफ का फील्डर ऊपर आया, तो मुझे लगा कि यह सही मौका है और मैं छक्का लगा सकता हूं।' न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पंत की फिटनेस को लेकर सवाल उठ रहे थे। साइड स्ट्रेन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाने के कारण वह न्यूजीलैंड में खेले गए भारत ए के मुकाबलों में भी हिस्सा नहीं ले सके थे। ऐसे में पहले टेस्ट में उनकी 128 रन की पारी भारतीय टीम के लिए बड़ी राहत और पंत के आत्मविश्वास के लिहाज से अहम साबित हुई।

ओलंपिक मेजबानी की प्रक्रिया का हिस्सा होंगी उषा

नई दिल्ली। भारत की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी पर दावा जताने के लिए अहम कड़ी आईओसी के फ्यूचर होस्ट कमीशन के समक्ष प्रस्तुतिकरण 26 नवंबर को होने जा रहा है। इस प्रस्तुतिकरण का हिस्सा आईओए अध्यक्ष पीटी उषा भी होंगी। खेल मंत्री मनसुख मांडविया की अगुवाई में होने जा रहे इस प्रस्तुतिकरण में सिर्फ उषा ही नहीं बल्कि आईओसी सदस्य नीता अंबानी, एथलीट कमीशन की चेयरपरसन पीवी सिंधू, खेल सचिव हरिरंजन राव, आईओए सीईओ रघु अय्यर, गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी, गुजरात के प्रमुख सचिव डॉ. राहुल गुप्ता, गुजरात के शहरी विकास सचिव एम थेन्नारासन हिस्सा होंगे।

एआई, 5जी और डेटा सेंटर निवेश से भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था विकास के नए चरण में प्रवेश कर रही है: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था अब विकास के एक नए चरण में प्रवेश कर रही है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), 5जी नेटवर्क, क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा सेंटर निवेश आर्थिक वृद्धि के प्रमुख चालक बनकर उभर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, अगले कुछ वर्षों में ये क्षेत्र दूरसंचार, बैंकिंग, विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा, खुदरा और लॉजिस्टिक्स सहित कई उद्योगों में नए अवसर पैदा करेंगे।

'बिजनेस न्यूज दिस वीक' रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एक दशक में मोबाइल इंटरनेट, डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन सेवाओं के विस्तार ने भारत के डिजिटल परिवर्तन की मजबूत नींव तैयार की। अब फोकस ऐसी उन्नत तकनीकी अवसंरचना विकसित करने पर है जो व्यवसायों की उत्पादकता बढ़ा सके, नवाचार को गति दे सके और नई डिजिटल सेवाओं का विस्तार सुनिश्चित कर सके।

कंपनियों द्वारा एआई के बढ़ते उपयोग और अधिक कंप्यूटिंग क्षमता की मांग के चलते क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डेटा सेंटर और अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी में निवेश तेजी से बढ़ रहा है, जिससे देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की संभावना है।

इस परिवर्तन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) केंद्रीय भूमिका निभाने जा रहा है। सरकार की इंडियाएआई मिशन योजना, जिसके लिए पांच वर्षों में 10,300 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया है, देश में एआई अनुसंधान, नवाचार, कंप्यूटिंग क्षमता और स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने पर केंद्रित है। वहीं, 5जी नेटवर्क का विस्तार दूरसंचार कंपनियों और उद्योगों के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है। उद्योग रिपोर्टों में उद्धृत सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2026 की शुरुआत तक 5जी सेवाएं देश के 99.9 प्रतिशत जिलों तक पहुंच चुकी थीं और 5.23 लाख से अधिक बेस स्टेशन स्थापित किए जा चुके थे। अब दूरसंचार कंपनियों का ध्यान नेटवर्क विस्तार से आगे बढ़कर 5जी सेवाओं के व्यावसायिक उपयोग और राजस्व सृजन पर है।

भारत का डेटा सेंटर उद्योग भी तेजी से ध्यान आकर्षित कर रहा है। एआई, क्लाउड सेवाओं और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते उपयोग के कारण उच्च क्षमता वाले कंप्यूटिंग और स्टोरेज ढांचे की मांग बढ़ रही है। अनुमान के अनुसार, 2026 में भारत की परिचालन डेटा सेंटर क्षमता लगभग 1.5-1.6 गीगावाट है, जो 2029-30 तक बढ़कर 6 से 8 गीगावाट तक पहुंच सकती है।

डिजिटल विस्तार के साथ डेटा सुरक्षा और नियामकीय अनुपालन का महत्व भी बढ़ रहा है। वित्तीय डेटा, ग्राहक जानकारी और कारोबारी सूचनाओं के तेजी से डिजिटलीकरण के कारण साइबर सुरक्षा, सुरक्षित क्लाउड स्टोरेज और डेटा प्रबंधन समाधानों की मांग मजबूत हो रही है।

भारत का डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन फ्रेमवर्क भी व्यक्तिगत डेटा के जिम्मेदार उपयोग पर अधिक जोर दे रहा है। इससे कंपनियों को डेटा सुरक्षा और गोपनीयता मानकों को और मजबूत करना होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, कृषि क्षेत्र में भी क्षेत्रीय भाषाओं पर आधारित एआई अनुप्रयोगों और डिजिटल सलाहकारी प्लेटफॉर्मों का उपयोग बढ़ सकता है, जिससे किसानों को मौसम, बाजार, फसल प्रबंधन और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी आसानी से प्राप्त होगी।

खुदरा और ई-कॉमर्स क्षेत्र में एआई आधारित मांग पूर्वानुमान (डिमांड फोरकास्टिंग), व्यक्तिगत ग्राहक अनुभव (पर्सनलाइज्ड कस्टमर एक्सपीरियंस) और ऑटोमेटेड सप्लाई चेन मैनेजमेंट जैसी तकनीकों से परिचालन दक्षता में सुधार होने की उम्मीद है।

सैंडपेपर पर नहीं थम रहा विवाद

बॉयकॉट बोले- पूरी टीम ने मिलकर की थी बेईमानी

नई दिल्ली। क्रिकेट जगत में 2018 के चर्चित बॉल टेंपरिंग विवाद यानी 'सैंडपेपरगेट' को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज सर ज्योफ्री बॉयकॉट ने इस मामले को क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया है। उनका मानना है कि ऑस्ट्रेलिया का यह विवाद दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान हैंसी क्रोन्ये से जुड़े मैच फिक्सिंग प्रकरण से भी ज्यादा गंभीर था। बॉयकॉट ने आरोप लगाया कि इस साजिश में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि कोचिंग स्टाफ भी शामिल था।

ख्वाजा के दावों को कमिंस ने नकारा

दरअसल, आठ साल पहले 2018 में ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर केपटाउन टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़छाड़ का मामला सामने आया था। इस विवाद ने पूरी दुनिया में क्रिकेट को शर्मसार कर दिया था। अब ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा 'सब्र' में किए गए खुलासों के बाद यह मामला फिर चर्चा में है। ख्वाजा ने अपनी किताब में दावा किया है कि गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की योजना के बारे में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को जानकारी थी। पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने भी इस दावे का समर्थन किया है।



विवाद उस समय और गहरा गया, जब ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने करीब 70 मिनट तक मीडिया के सवालों का जवाब दिया और अपने इस रुख पर कायम रहे कि उन्हें गेंद से छेड़छाड़ की योजना की कोई जानकारी नहीं थी। वहीं, इस मामले में सजा पाने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने भी 'द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन' में एक लेख लिखकर ख्वाजा के दावे का समर्थन किया।ज्योफ्री बॉयकॉट ने 'द टेलीग्राफ' में अपने कॉलम में लिखा कि सैंडपेपरगेट विवाद 25 साल से भी पहले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट को हिला देने वाले हैंसी क्रोन्ये के मैच फिक्सिंग मामले से कहीं बड़ा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में उन्होंने इससे बड़ा घोटाला न तो पढ़ा है और न ही देखा है। बॉयकॉट के मुताबिक, क्रोन्ये के मामले में मुख्य रूप से कुछ युवा खिलाड़ियों हर्शल गिब्स और हेनरी विलियम्स को अपनी साजिश में शामिल किया गया था। टीम के बाकी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को इसकी जानकारी नहीं थी। इसके उलट, सैंडपेपरगेट में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम और कोचिंग स्टाफ की भूमिका होने का दावा किया गया है।उन्होंने लिखा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी और कोच इस योजना में पूरी तरह शामिल थे। इसके बाद मामले को छिपाने की कोशिश की गई और तीन खिलाड़ियों को ही इसका जिम्मेदार ठहराकर बाकी लोगों को बचा लिया गया। बॉयकॉट ने इसे हैरान करने वाला और अविश्वसनीय बताया। बॉयकॉट ने इस विवाद में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर को मिली सजा को भी कम बताया। उनका मानना है कि दोनों खिलाड़ियों पर पांच साल का प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह कोई अचानक हुई घटना नहीं थी, बल्कि दो टेस्ट मैचों में जीत हासिल करने के लिए सुनियोजित तरीके से गेंद से छेड़छाड़ की कोशिश की गई थी।

संक्षिप्त समाचार

चीन को पुराने चिप्स की बिक्री पर नहीं लगेंगे नए प्रतिबंध, अमेरिकी वित्त मंत्री दे दिया बड़ा बयान

बीजिंग, एजेंसी। वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार और अमेरिका-चीन तकनीकी टकराव के बीच अमेरिकी सरकार ने एक बड़ा नीतिगत फैसला लिया है। अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सेक्रेटरी) स्कॉट बेसेंट ने साफ किया है कि चीन को एनवीडिया के पुराने चिप्स बेचने पर अब और नए प्रतिबंध लगाने की जरूरत नहीं है। यह बयान ट्रंप प्रशासन की की ओर से चीन की नवीनतम सेमीकंडक्टर्स तक रिमोट एक्सेस (पहुंच) को रोकने के फैसले के ठीक बाद आया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ एशिया दौरे से लौटने के बाद शुक्रवार को सीएनबीसी (सीएनबीसी) को दिए एक साक्षात्कार में स्कॉट बेसेंट ने कहा कि चिप निर्यात को लेकर जरूरी और उचित पाबंदियां पहले से लागू हैं। बेसेंट के मुताबिक, चीनी कंपनियों की अत्याधुनिक चिप्स तक रिमोट पहुंच को प्रभावी ढंग से सीमित कर दिया गया है। उन्होंने रेखांकित किया कि मौजूदा नियमों के तहत पुराने सेमीकंडक्टर्स पर अतिरिक्त रोक लगाने की दरकार नहीं है। एनवीडिया की तकनीक तक चीनी कंपनियों की पहुंच उस समय गंभीर जांच के दायरे में आ गई, जब कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेन्सन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हुआंग पर सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड की एक कार्यकारी के साथ कथित संबंधों के आरोप लगे थे।

पेरू में 6.9 तीव्रता का आया भूकंप, राजधानी लीमा तक लगे झटके, प्रशांत रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में कांपी धरती

लीमा, एजेंसी। मध्य पेरू के एंडीज क्षेत्र में शुक्रवार को 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। तत्काल किसी नुकसान या हताहत की कोई खबर नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शाम 7:09 बजे आया। इसका केंद्र जुनिन से 34 किलोमीटर उत्तर में एंडीज में था। भूकंप की गहराई 108 किलोमीटर दर्ज की गई। पेरू के भूभौतिकीय संस्थान ने भी किसी नुकसान या हताहत की सूचना नहीं दी। पेरू के जियोफिजिकल इंस्टीट्यूट ने बताया कि किसी तरह के नुकसान या लोगों के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। भूकंप के केंद्र के पास स्थित कारहुआमायो के मेयर, अब्देल वेगा ने भी एक स्थानीय टेलीविजन स्टेशन को बताया कि किसी के घायल होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। पेरू की राजधानी में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोग सड़कों पर निकल आए। पेरू रिंग ऑफ फायर पर स्थित है, जहां दुनिया के अधिकांश भूकंप आते हैं। अगस्त में पेरू के एंडीज में 6.7 तीव्रता के भूकंप से दो लोग घायल हुए थे। जुलाई में जुनिन क्षेत्र में 5.5 तीव्रता के भूकंप से छह लोगों की मौत और 30 लोग घायल हुए थे।

परमाणु हथियारों की होड़: ट्रंप बोले- चीन तेजी से बढ़ा रहा अपना जखीरा, शी-पुतिन से मुलाकात के बाद जताई चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि चीन तेजी से परमाणु हथियार बना रहा है। उन्होंने इसे तेज और भारी विस्तार बताया है। यह टिप्पणी उन्होंने चीनी नेता शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के एक दिन बाद की। तीनों देशों ने परमाणु अप्रसार रोकने पर बातचीत के लिए सहमति जताई है। यह बैठक गुरुवार को दक्षिणी चीनी शहर शेन्जन में हुई थी। रूस और अमेरिका के पास हजारों परमाणु हथियार हैं। वे दुनिया में इस मामले में सबसे आगे हैं। वहीं चीन अपने परमाणु जखीरे का तेजी से विस्तार कर रहा है। पेंटागन ने चीन के सैन्य विस्तार की अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन के परमाणु हथियारों का भंडार 2024 तक 600 से कम रहा। हालांकि, देश 2030 तक 1,000 से अधिक परमाणु हथियार रखने की राह पर है। ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक समाचार सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने चीन के परमाणु विस्तार पर टिप्पणी करते हुए कहा, वे 10 साल के भीतर हमें पकड़ लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि चीन इस पर तेज और भारी गति से काम कर रहा है। ट्रंप की ये सार्वजनिक टिप्पणियां उनकी विवादित शिखर बैठक के बाद पहली थीं। इस बैठक में अमेरिका के लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाले देशों के नेता शामिल थे। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को ट्रंप के साथ पत्रकारों से बात की। रुबियो ने जोर दिया, इन तीनों देशों के पास इस ग्रह पर परमाणु हथियारों का भारी बहुमत है। उन्होंने कहा कि इन तीनों नेताओं का नियमित रूप से बातचीत न करना सिर्फ बेतुका नहीं, बल्कि खतरनाक है।

देश के कई राज्यों में बढ़ी ठंड, राजस्थान के 6 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे

मध्यप्रदेश के 12 जिलों में बारिश का अलर्ट, यूपी के 24 जिलों में छाया घना कोहरा

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली, राजस्थान समेत देश के कई राज्यों में ठंड बढ़ गई है। राजस्थान के 6 शहरों में शनिवार रात न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। फतेहपुर में सबसे कम 6.1 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। सीकर में 7.7, उदयपुर में 8.7 और चूरू में 9.5 डिग्री पारा दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार में चक्रवात 'अकवान' के चलते बारिश होने और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मौसम बदल गया है। मध्यप्रदेश के जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है। उज्जैन में ठंड के चलते आठवीं तक के स्कूलों का समय बदलकर सुबह 9 बजे के बाद कर दिया गया है। बिहार में रविवार सुबह नालंदा और भागलपुर में बारिश हुई। पिछले 24 घंटे में पटना समेत 9 जिलों में बारिश दर्ज की गई। यूपी के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। वहीं, झारखंड में खराब मौसम के कारण शनिवार को रांची एयरपोर्ट पर 20 फ्लाइट रद्द और चार को डायवर्ट किया गया।

सर्दी बढ़ने के साथ प्रदूषण का स्तर भी बढ़ रहा है। राजस्थान के बीकानेर में एक्यूआई 311, भिवाड़ी में 301 में दर्ज किया गया। दिल्ली की हवा की गुणवत्ता



शनिवार को भी 'खराब' बनी रही। एक्यूआई 265 दर्ज किया गया। दरअसल, सर्दी में हवा ठंडी और भारी होने लगती है, उसकी रफ्तार भी कम हो जाती है। इससे प्रदूषक कण जमीन के पास जमा होने लगते हैं। यही वजह है कि पंजाब, हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में पराली जलाने से उठा धुआं पश्चिमी राजस्थान तक पहुंच रहा है।

रेगिस्तानी इलाकों में रात को तापमान तेजी से गिरता है। इससे थर्मल इन्वर्जन की स्थिति बन सकती है। इस दौरान प्रदूषक कण और धुआं ऊपर फैलने के बजाय निचली हवा में ही फंसे रहते हैं। हवा की ऊपरी परत गर्म होने से प्रदूषण को फैलने का रास्ता नहीं मिलता। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश से आ रही सर्द हवाओं से राजस्थान में ठंड बढ़ने लगी है।

चक्रवाती तूफान 'अकवान' और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मध्य प्रदेश में मौसम बदल गया है। जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है, जबकि भोपाल, इंदौर और उज्जैन में ठंड बढ़ गई है। रविवार को 12 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, शाजापुर में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। वहीं यूपी के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। संभल, मुजफ्फरनगर, देवरिया और बुलंदशहर समेत कई जिलों में विजिबिलिटी कम रही। ग्रामीण इलाकों में 10 मीटर दूर तक देखना मुश्किल हो गया। हरदोई में रात का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मुलायम सिंह की जयंती पर सपा दफ्तर में हुआ सुंदरकांड का पाठ

● अखिलेश बोले- सपा सरकार बनी तो बढ़ा देंगे यश भारती की सम्मान राशि

लखनऊ , एजेंसी। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती पर रविवार को लखनऊ स्थित सपा कार्यालय में सुंदरकांड का पाठ किया गया। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस अवसर पर अपने पिता और पार्टी संस्थापक को याद करते हुए कहा कि नेताजी सबको साथ लेकर चलने का सिद्धांत देकर गए हैं और समाजवादी पार्टी इसे आगे बढ़ाती रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार बनी तो यश भारती की सम्मान राशि बढ़ाई जाएगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि मुलायम सिंह यादव के पास जो भी मदद के लिए आया, उन्होंने उसकी सहायता की। उन्होंने कहा कि पार्टी पीडीए आंदोलन को आगे बढ़ाएगी और जो लोग रूठे हुए हैं, उन्हें मनाने का प्रयास करेगी। साथ ही जो लोग पार्टी से अलग हो गए हैं, उन्हें भी साथ लाने की कोशिश की जाएगी। अखिलेश यादव ने घोषणा की कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर यश भारती सम्मान की राशि बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी जाएगी। उन्होंने उन बच्चों के प्रति आभार जताया, जो समाजवादी पार्टी की सरकार में लैपटॉप मिलने की बात स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के दौरान केटीएमयू और राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट के डॉक्टरों को पीजीआई की तरह सुविधाएं देने का काम किया गया था।

इस अवसर पर अखिलेश ने मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार कम देगी और ज्यादा छीनेगी। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के हाथ में विकास की रेखा होती है, जबकि कुछ के हाथ में विनाश की।

सीएम योगी ने श्रद्धांजलि अर्पित की

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। योगी ने उन्हें पूर्व रक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और पद्म विभूषण से सम्मानित नेता बताया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने भी उन्हें याद किया। गौरतलब है कि मुलायम सिंह यादव ने 1992 में समाजवादी पार्टी की स्थापना की थी। वह तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और देश के रक्षा मंत्री भी रहे। उनका जन्म 22 नवंबर 1939 को इटावा के सैफई में हुआ था। 10 अक्टूबर 2022 को 82 वर्ष की उम्र में उनका निधन हुआ था।

जज की जगह ओवैसी को गार्ड ऑफ ऑनर, जांच के आदेश

● सहारनपुर में प्रोटोकॉल में बड़ी लापरवाही

प्रतापगढ़, एजेंसी। सहारनपुर(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक अजीबोगरीब वाकया सामने आया है, जहाँ शनिवार को पुलिसकर्मियों ने एक न्यायाधीश को दिए जाने वाले गार्ड ऑफ ऑनर को गलती से एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी को दे दिया। इस गंभीर प्रोटोकॉल में लापरवाही के बाद, जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। एक पुलिस अधीक्षक को इस मामले की विस्तृत जांच सौंपी गई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह गलती किन परिस्थितियों में और कैसे हुई।

यह घटना सहारनपुर सर्किट हाउस में घटी, जब सांसद ओवैसी आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद के घर छुटमलपुर जाने से पहले वहां पहुंचे थे। पुलिस प्रोटोकॉल के तहत एक न्यायाधीश के आगमन की तैयारी चल रही थी, जिन्हें सहारनपुर के एक गांव में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना था। लेकिन न्यायाधीश के आने से पहले ओवैसी के पहुंचने पर, वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें आते ही औपचारिक सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दे दी, जिसे ओवैसी ने भी बड़े ही सहज भाव से पुलिसकर्मियों के सामने सावधान की मुद्रा में खड़े होकर स्वीकार कर लिया। हालांकि, सलामी के कुछ ही देर बाद पुलिसकर्मियों को अपनी गलती का अहसास हुआ। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अपनी सहारनपुर यात्रा के दौरान ओवैसी ने कई राजनीतिक मुद्दों पर भी बात की। उन्होंने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में भाजपा सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून के बजाय बंदूक का राज चल रहा है। भाजपा की बी टीम होने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के गठन की बात कही और दावा किया कि सपा-कांग्रेस गठबंधन भाजपा को हराने में सक्षम नहीं है। इसके बाद, ओवैसी ने छुटमलपुर में चंद्रशेखर आजाद के आवास पर भोजन किया और छत से समर्थकों को संबोधित किया। इस दौरान एआईएमआईएम, आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ जुटी रही। ओवैसी ने समर्थकों से पूछा कि क्या वे चंद्रशेखर को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं, जिस पर भारी भीड़ ने नारेबाजी कर समर्थन जताया।

गलती सुधार कांग्रेस में वापसी करने वालों का हो स्वागत: चांडी ओमन

कांग्रेस विधायक बोले- पार्टी छोड़कर भाजपा में गए कई लोग वापस आना चाहते हैं, सभी के लिए समान नियम हों

तिरुवनंतपुरम , एजेंसी । कांग्रेस विधायक चांडी ओमन ने रविवार को कहा कि अपनी गलतियां सुधारकर पार्टी में लौटने के इच्छुक सभी लोगों का स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी में वापसी के लिए किसी एक व्यक्ति के लिए अलग नियम नहीं होना चाहिए। उनका यह बयान पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरण की बेटी और स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन की बहन पद्मजा वेणुगोपाल के कांग्रेस में लौटने की इच्छा जताने के सवाल पर आया।

पद्मजा वेणुगोपाल ने हाल ही में भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा देकर कांग्रेस में वापस आने की इच्छा जाहिर की है। इसी मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए चांडी ओमन ने कहा कि जो लोग अपनी



गलतियों को सुधारकर कांग्रेस में लौटना चाहते हैं, उन्हें मौका मिलना चाहिए। चांडी ओमन ने कहा कि यह अवसर केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में गए सभी लोगों के लिए समान नियम होने चाहिए। उन्होंने कहा कि गलतियों को सुधारने के बाद कोई भी कांग्रेस में वापस आ सकता है और पार्टी को ऐसे लोगों का स्वागत करना चाहिए।

कांग्रेस विधायक ने दावा किया कि भाजपा में शामिल होने वाले कई अन्य लोग भी अब पार्टी में वापस लौटने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों को भाजपा में वहां की स्थिति का एहसास हो गया होगा और इसी वजह से वे कांग्रेस में लौटने का फैसला कर रहे हैं। चांडी ओमन ने कहा कि कांग्रेस में लौटने वाले लोगों को अगले पांच साल तक पार्टी के लिए काम करने का अवसर दिया जाना चाहिए। उनके मुताबिक पार्टी में वापसी करने वालों को संगठन को मजबूत करने में योगदान देना चाहिए।

नीतीश सेतु का उद्घाटन होते ही राजद कार्यकर्ताओं ने किया जमकर हंगामा

● बीजेपी के पोस्टर-बैनर फाड़े, तेजस्वी और लालू यादव जिंदाबाद के लगाए नारे

वैशाली, एजेंसी । बिहार के वैशाली में नीतीश सेतु का उद्घाटन होते ही राजद कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। पीएम मोदी और अन्य अतिथियों के लौटते ही कार्यकर्ताओं ने पुल पर बवाल मचा दिया। राजद कार्यकर्ताओं ने नीतीश सेतु और बीजेपी के पोस्टर-बैनर फाड़े और प्रदर्शन किया। शनिवार को राजद नेता तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी पर निशाना साधा था। वीडियो में राजद के कार्यकर्ता तेजस्वी यादव जिंदाबाद और लालू यादव जिंदाबाद के नारे लगाते नजर आ रहे हैं। नीतीश सेतु पर आरजेडी कार्यकर्ताओं ने पार्टी के झंडे भी लहराए। वीडियो में आरजेडी कार्यकर्ता बीजेपी के झंडों को कुचलते हुए नजर आ रहे हैं। शनिवार को पीएम मोदी के रवाना होते ही पुल को जनता के लिए खोल दिया गया था, जैसे ही पुल खोला गया, राजद कार्यकर्ताओं ने नीतीश सेतु पर पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। नीतीश सेतु को लेकर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भी बीजेपी पर निशाना साधा। तेजस्वी ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि इस पुल का नाम सिख धर्म के दसवें गुरु और खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिंद सिंह महाराज के नाम पर रखा जाना चाहिए था लेकिन बीजेपी सरकार ने राजनीति के चलते ऐसा नहीं होने दिया। तेजस्वी ने इसे बीजेपी की संकीर्ण सोच बताया। इस मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी भी हमलावर है। पंजाब सरकार में मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि अगर बिहार सरकार नीतीश कुमार को सम्मान देना चाहती है तो इसके लिए दूसरे तरीके भी हो सकते थे।

यूएनएससी में गतिरोध बरकरार: अगले महासचिव के नाम पर नहीं बनी बात, जानें क्या बात बन रही बाधा

अल्बानी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में नए महासचिव के चुनाव को लेकर गतिरोध जारी है। कार्यभार संभालने में अब सिर्फ 40 दिन बचे हैं। लेकिन एंटोनियो गुटेरेस के उत्तराधिकारी के नाम पर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। वर्तमान महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है।

उससे पहले नए महासचिव के नाम को अंतिम रूप देने के लिए सुरक्षा परिषद ने गुप्त मतदान और अनौपचारिक परामर्श की प्रक्रिया आगे बढ़ानी होगी। शुक्रवार को काउंसिल के अनौपचारिक मतदान में यूएनसीटीएडी प्रमुख रेबेका ग्रिनस्पैन सबसे आगे थीं, लेकिन उन्हें वीटो का अधिकार रखने



वाले दो स्थायी सदस्यों के विरोध का सामना करना पड़ा, जो उनके चुनाव में एक बाधा बन गया। कुल मिलाकर, कोस्टा रिका की रहने वालीं ग्रिनस्पैन को दस सकारात्मक वोट मिले। वह आठ उम्मीदवारों में अकेली ऐसी थीं, जिन्होंने नौ वोटों की जरूरी सीमा को पार किया। यह नौवां गुप्त मतदान था, जिसमें स्थायी सदस्यों की पहचान करने के लिए अलग-अलग रंगों वाले मतपत्रों का इस्तेमाल किया गया था। हालांकि गुयाना की पूर्व विदेश मंत्री कैरोलिन रोड्रिग्स-बर्किट चौथे स्थान पर रहीं, लेकिन उन्हें स्थायी सदस्यों की ओर से केवल दो नकारात्मक वोट मिले, जबकि कुल मिलाकर उन्हें छह सकारात्मक वोट प्राप्त हुए। अर्जेंटीना से ताल्लुक रखने वाले इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख आठ सकारात्मक और तीन नकारात्मक वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। संयुक्त अरब अमीरात की राज्य मंत्री लाना नुसैबेह सात सकारात्मक वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं, लेकिन उन्हें भी स्थायी सदस्यों से तीन नकारात्मक वोट मिले। अमेरिका के स्थायी प्रतिनिधि माइक वाल्ट्ज ने उन उम्मीदवारों से दौड़ से बाहर होने को कहा, जिन्हें बहुत कम समर्थन मिल रहा है। मतदान से पहले उन्होंने कहा, अगर उन्हें पर्याप्त समर्थन नहीं मिल रहा है, तो शायद अब समय आ गया है कि वे पीछे हट जाएं, ताकि काउंसिल उन उम्मीदवारों पर विचार कर सके जिन्हें कुछ हद तक समर्थन मिल रहा है। चूंकि यह मतदान गुप्त था, इसलिए यह पता नहीं चल सका कि किन स्थायी सदस्यों ने नकारात्मक वोट दिए। लैटिन अमेरिका और कैरेबियन देशों ने मांग की है कि अगला महासचिव इसी क्षेत्र से होना चाहिए। 1991 में जेवियर पेरेज डी कुएलर का कार्यकाल खत्म होने के बाद से, इस क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति ने यह पद नहीं संभाला है। उस बात को 35 साल बीत चुके हैं।

अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाया तो खैर नहीं, एफबीआई चीफ की साइबर अपराधियों को दो टूक

वाशिंटन, एजेंसी। अमेरिकी वित्तीय और कॉर्पोरेट तंत्र पर बढ़ते साइबर हमलों और तकनीकी रुकावटों के बीच सुरक्षा एजेंसियों ने आक्रामक रुख अपना लिया है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल ने अमेरिकी नागरिकों और व्यवसायों को निशाना बनाने वाले साइबर अपराधियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई ने साइबर खतरों के खिलाफ वैश्विक स्तर पर ऑपरेशन विंटर शील्ड शुरू करने का एलान किया है।

क्या है एफबीआई का ऑपरेशन विंटर शील्ड : एफबीआई निदेशक काश पटेल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि ऑपरेशन विंटर शील्ड का मकसद देश के साइबर डिफेंस को मजबूत करना और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के सहयोग से व्यापारिक प्रतिष्ठानों, सरकारी प्रणालियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा करना है। पटेल ने कहा, ÷राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई दुनिया भर के साइबर अपराधियों के खिलाफ सीधी कार्रवाई कर रही है। हमारा संदेश बिल्कुल साफ है- यदि आप अमेरिकी लोगों को निशाना बनाएंगे, तो कानून आपको ढूंढ निकालेगा। साइबर नीति के शीर्ष नेतृत्व में क्या बदलाव हुए हैं साइबर सुरक्षा को लेकर यह अमेरिका का यह आक्रामक रुख ऐसे समय में सामने आया है जब ट्रंप प्रशासन ने अपने साइबर सुरक्षा नेतृत्व में बड़ा फेरबदल किया है।

नई नियुक्ति: व्हाइट हाउस ने कर्स्टन ए. डेविस को ऑफिस ऑफ द नेशनल साइबर डायरेक्टर का कार्यवाहक प्रमुख नियुक्त किया है। स्थायी पद के लिए अमेरिकी सीनेट की मंजूरी जरूरी होने के कारण डेविस फिलहाल कार्यवाहक रूप में जिम्मेदारी संभालेंगी।

पूर्व निदेशक का कार्यकाल : डेविस ने सीन केर्नक्रॉस का स्थान लिया है, जो अगस्त 2025 से संघीय साइबर सुरक्षा नीति और रणनीति की देखरेख कर रहे थे।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने डेविस की नियुक्ति का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया पर कहा कि वह अमेरिका की साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।

जेपी मॉर्गन चेस के ग्राहकों का डेटा कैसे हुआ प्रभावित : अमेरिकी वित्तीय क्षेत्र में साइबर लचीलेपन (साइबर रेजिलिएंस) को लेकर चिंताएं उस वक्त और बढ़ गईं जब देश के सबसे बड़े बैंकों में शामिल जेपी मॉर्गन चेस ने अपने तीसरे पक्ष के सेवा प्रदाताओं (थर्ड-पार्टी वेंडर्स) पर साइबर हमले का खुलासा किया। इस हमले में बैंक के लगभग 16,000 सबसे धनी ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी प्रभावित होने की आशंका है। यह लीक बैंक के विशेष रिजर्व प्रोग्राम से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है, जो निमंत्रण-आधारित वीजा क्रेडिट कार्ड है और जिसके लिए आम तौर पर प्रबंधन के तहत एक करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्ति होना आवश्यक होता है।

अमेरिका में हैकर्स का फिर हमला: एफबीआई के आपराधिक रिकॉर्ड्स में दूसरी बार लगी सेंध, जानें यह कितना खतरनाक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और डेटा सुरक्षा तंत्र को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के सबसे महत्वपूर्ण नेशनल क्राइम इंफॉर्मेशन सेंटर डेटाबेस में सेंधमारी का गंभीर मामला सामने आया है। हाल के महीनों में देश के अपराध रिकॉर्ड को निशाना बनाने वाली यह दूसरी बड़ी साइबर सुरक्षा घटना है। यह हैक ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी प्रशासन बैंकिंग और बुनियादी ढांचा प्रणालियों में आई तकनीकी रुकावटों के बाद सार्वजनिक विश्वास बहाल करने में जुटा हुआ था।

नवीनतम सेंधमारी ने एफबीआई के जिस देशव्यापी आपराधिक सूचना डेटाबेस को निशाना बनाया है, वह पूरे अमेरिकी कानून प्रवर्तन तंत्र के लिए जीवन रेखा के समान है।

संवेदनशील रिकॉर्ड : इसमें फरार अपराधियों (भगोड़ों), चोरी की संपत्तियों, अदालती वारंटों, बैकग्राउंड वेरिफिकेशन और अन्य गंभीर आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी अत्यंत संवेदनशील जानकारी सुरक्षित रहती है।

सूचना तंत्र पर असर : जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इस ब्रीच के चलते संघीय, राज्य और स्थानीय एजेंसियों के बीच महत्वपूर्ण सूचनाओं के सुरक्षित आदान-प्रदान में बड़ी बाधा उत्पन्न होने की आशंका है। ताजा साइबर ब्रीच पर एफबीआई निदेशक की



क्या प्रतिक्रिया रही एफबीआई अधिकारियों को इस नई साइबर सुरक्षा घटना की जानकारी मिलने के बाद, एजेंसी के निदेशक कश पटेल फॉक्स न्यूज पर सामने आए। पटेल ने एफबीआई के साइबर सुरक्षा कार्यों का बचाव करते हुए एक ऐसे ऑपरेशन पर विस्तार से बात की, जो वास्तव में महीनों पहले ही पूरा हो चुका था। इसका मुख्य उद्देश्य कंपनियों के सिस्टम अपडेट करवाना और हैकर्स को संवेदनशील डेटा तक पहुँचने से रोकना था। ऑपरेशन विंटर शील्ड का उल्लेख: पटेल ने ऑपरेशन विंटर शील्ड का ज़िक्र इस तरह किया मानो वह कार्रवाई वर्तमान में भी सक्रिय हो। प्रशासनिक नीतियों का बचाव: उन्होंने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा हेतु सिस्टम अपडेट करने के लिए मौजूदा प्रशासन की सराहना की और तर्क दिया कि पूर्ववर्ती प्रशासन भी ये तकनीकी सुधार कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। भर्ती वेबसाइट पर हमला: इसी वर्ष सितंबर में शाइनीहंटर्स नामक हैकर समूह ने एफबीआई की भर्ती (जॉब) वेबसाइट को निशाना बनाया था, जिसमें एजेंसी कर्मचारियों का संवेदनशील व्यक्तिगत डेटा चोरी हुआ था। इस मामले में एक कनाडाई साइबर सुरक्षा शोधकर्ता और लेखक को गिरफ्तार भी किया गया है। कर्मचारियों का असंतोष: उस हमले के बाद कई कर्मचारियों में रोष था क्योंकि उन्हें समय पर यह तक स्पष्ट नहीं किया गया था कि उनका व्यक्तिगत डेटा चोरी हुआ है या नहीं, और पीड़ितों को दिए गए सुरक्षा संसाधन भी नाकाफी थे।

न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस हैक (2023): इससे पहले वर्ष 2023 में हैकर्स ने एफबीआई के न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस के कंप्यूटर सिस्टम में सेंध लगाई थी, जिसका इस्तेमाल बाल यौन शोषण मामलों और जेफरी एपस्टीन जांच से जुड़ी फाइलों को रखने के लिए किया जाता था।

वित्तीय और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए क्या हैं खतरे : एफबीआई डेटाबेस में यह ताजा सेंधमारी ऐसे नाजुक मोड़ पर सामने आई है, जब अमेरिकी संस्थाएं व्यापक तकनीकी संकट से जूझ रही हैं। हाल के दिनों में प्रमुख बैंकों, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के हवाई यातायात नियंत्रण प्रणालियों में भारी तकनीकी रुकावटें (आउटेज) दर्ज की गई हैं।

नेक्सटऐज मीडिया एंड कंलटिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए, प्रकाशक, संपादक अनीता यादव द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी मेसेर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85 सेक्टर-06 201301 से मुद्रित कराकर 962 सरफाबाद सेक्टर-73, नोएडा-201304 से प्रकाशित किया,
प्रधान संपादक : रिंकू यादव संपादक : अनीता यादव PRGI No. UPHIN/26/A8255 Ph. : 4403949, Email : unplugindia26@gmail.com